सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 105 | जौनपुर, गुरूवार, 05 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

अनुशासन से ही सर्वांगीण विकास संभव, जीवन के लिए भी जरूरी : सीएम योगी

गोरखपुर,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास तेजी से बढ़ा है। एक समय था जब भारत दुनिया के किसी भी गुट में नहीं था। देश के सामने असमंजस की स्थिति थी कि उसकी दिशा क्या होगी, उसे क्या करना है। पर, आज का नया भारत दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा तय करता है। दुनिया का ध्रुवीकरण उधर होता है, जिधर भारत होता है। सीएम योगी बुधवार को महाराणा प्रताप (एम पी)शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम

की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विध ाानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माद्दा रखता है। वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को खुद को उसी अनुरूप तैयार किया और परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। जी–20 का समिट उसका प्रमाण है। आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना के परिस्थितियों और इसकी अबतक की यात्रा को याद करते हुए कहा कि परिषद की 92 वर्ष की यात्रा इस बात के समग्र मूल्यांकन का अवसर है कि नए भारत के लिए संस्था किस दृष्टि से तैयार हो। उन्होंने कहा कि 1932 में जब ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने जब इस परिषद रूपी छोटे बीज को रोपित किया था तब साधन और संसाधन नहीं थे। देश तब गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। एक ओर आजादी की लड़ाई हिलोरें ले रही थी तो दूसरी ओर आजादी हासिल करने के विश्वास भाव के साथ आजाद भारत के नेतृत्व के लिए योग्य नागरिक तैयार करने की चुनौती थी। इसी को ध्यान में रखकर ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की और उसी के अनुरूप उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी ने आगे बढ़ाया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन पर योगी आज का दिन अनुशासन पर्व है।

नौसेना की प्रतिबद्धता राष्ट्र की सुरक्षा, समृद्धि सुनिश्चित करती है : प्रधानमंत्री मोदी

नई इिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नौसेना दिवस पर भारतीय नौसेना की सराहना की और कहा कि उसकी प्रतिबद्धता राष्ट्र की सुरक्षा, संरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती है। वर्ष 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' में नौसेना की उपलब्धियों की याद में नौसेना दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने

का उद्देश्य भारतीय नौसेना के अद्वितीय साहस, कार्यकुशलता और देश की रक्षा में उसके योगदान को याद करना है। एक पोस्ट में कहा,नौसेना दिवस पर हम भारतीय नौसेना के बहादुर कर्मियों को सलाम करते हैं जो अतुलनीय साहस और समर्पण के साथ हमारे समुद्र की रक्षा करते हैं। उनकी प्रतिबद्धता हमारे राष्ट्र की सुरक्षा, संरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती है।

संक्षिप्त खबरें

नोएडा में 160 से अधिक प्रदर्शनकारी किसान गिरफ्तार

नोएडा,(एजेंसी)। पुलिस ने मंगलवार को भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा समेत 160 से अधिक प्रदर्शनकारी किसानों को गिरफ्तार कर लिया। ये किसान भूमि मुआवजे और अन्य मांगों को लेकर दिल्ली कूच करने जा रहे थे, लेकिन एक दिन पहले उन्हें रोक दिया गया था। प्रदर्शनकारी सोमवार को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से एकत्र हुए थे और उन्होंने धमकी दी थी कि अगर उनकी मांगें सात दिनों के भीतर पूरी नहीं की गईं, तो वे राष्ट्रीय राजधानी कूच फिर से शुरू कर देंगे। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) शिव हरि मीना ने कहा कि उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत दोपहर करीब डेढ़ बजे 160 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। अपराध को रोकने के लिए गिरफ्तारी करने की अनुमति देता है।

दो कारों के बीच भीषण टक्कर में लगी आग

नई दिल्ली,(एजेंसी)। द्वारका इलाके में यशोभूमि फ्लाईओवर के पास दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों गाड़ियों में आग लग गई। आग की चपेट में आने से एक शख्स की झुलसकर मौत हो गई। जबकि कई लोग झुलस गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के थाना सेक्टर 21 द्वारका इलाके में द्वारका एक्सप्रेसवे पर देर रात सवा 12 बजे के करीब क्रेटा और इको वैन के बीच टक्कर हो गई। टक्कर लगने के बाद दोनों कारों में आग लग गई। इको वैन से एक शख्स का जल हुआ शव बरामद किया। |सेव त्मंक – लोकायुक्त को ईडी के पत्र के पीछे दुर्भावनापूर्ण इरादारू ब्डे पककंतंउपी क्रेटा कार का चालक घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल विभाग का कहना है कि रात करीब 12.20 बजे मामले की सूचना मिली थी,।

एएआई ने दिल्ली हवाईअड्डा परिचालक डायल को कारण बताओ नोटिस जारी किया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, राज्य के स्वामित्व वाली एएआई ने दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डायल को कारण बताओ नोटिस जारी कर इस साल जून में टर्मिनल 1 के पुराने प्रस्थान प्रांगण में छत गिरने की घटना के बाद आईआईटी दिल्ली की टीम द्वारा अध्ययन के दौरान पाई गई कुछ संरचनात्मक कमजोरियों पर स्पष्टीकरण मांगा है। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) देश के सबसे बड़े हवाई अड्डे इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) का संचालक है। सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत संचालित है। संपर्क करने पर डायल के प्रवक्ता ने पीटीआई को बताया कि इसके विशेषज्ञों की टीम वर्तमान में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा उठाए गए। प्रश्नों का व्यापक जवाब तैयार कर रही है।

हैदराबाद के रियल एस्टेट क्षेत्र में 29 प्रतिशत की वृद्धि : सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद,(एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि 'नकारात्मक प्रचार' के बावजूद हैदराबाद के रियल एस्टेट क्षेत्र में इस साल अप्रैल से नवंबर तक लगभग 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल इस समय राज्य में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार थी। नगर प्रशासन और शहरी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के प्रमुख जी किशन रेड्डी को 'चुनौती' दी कि अगर वह वास्तव में 'ईमानदार' हैं तो राज्य के विकास के लिए केंद्र से धन लेकर आएं। उन्होंने कहा, "हैदराबाद में रियल एस्टेट क्षेत्र के प्रभावित होने का दावा करने वाले नकारात्मक प्रचार के बावजूद मैं तेलंगाना के लोगों को सूचित करना चाहता हूं कि एक अप्रैल, 2024 से 30 नवंबर, 2024 तक इस क्षेत्र में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में लगभग 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह हैदराबाद के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह विकसित करने के लिए 1.50 लाख करोड़ रुपये की जरूरत है और उन्होंने भाजपा नेता से पूछा कि वह केंद्र से कितनी धनराशि प्राप्त कर सकते हैं। रेवंत रेड्डी ने यह भी चेतावनी दी कि हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति निगरानी एवं संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) उन लोगों के लिए बुरा सपना बन जाएगी, जिन्होंने 'नालों' और झीलों पर अतिक्रमण किया है।

सिर्फ मीडिया आकर्षण पाने की है कोशिश :सुधांशु त्रिवेदी

राहुल गांधी के संभल जाने पर भाजपा का वार

नई इिल्ली,(एजेंसी)। राहुल गांध ी के संभल दौरे को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि संसद का सत्र चल रहा है और इस सत्र में इंडी गठबंधन का बिखराव और संविधान के प्रति उनका दुराव देश की जनता को स्पष्ट दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि कल राज्यसभा में विपक्षी दल द्वारा नियम 267 के तहत यानी सभी कार्य रोक कर किसी मुद्दे पर चर्चा की जाए, इसके तहत 42 नोटिस आए थे और 9 अलग अलग नोटिस आए थे, जो इंडी गठबंधन के दो दलों ने एक विषय के लिए नहीं दिया था। त्रिवेदी ने आगे कहा कि ये स्पष्ट था कि कांग्रेस पार्टी जो अपना एजेंडा लेकर चल रही थी, इंडी गठबंधन के बाकी दलों ने अपनी राह खुद तय कर ली। उन्होंने कहा कि सदन के पटल पर सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने की विफलता के बाद राहुल गांधी जी रस्म अदायगी के लिए उत्तर प्रदेश के संवेदनशील क्षेत्र संभल जाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस पर सपा के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर राम गोपाल यादव जी ने कहा है कि कांग्रेस औपचारिकता निभा रही है। मैं इसे ऐसे कहना चाहूंगा कि कांग्रेस औपचारिकता नहीं विवशता निभा रही है। संभल पर कांग्रेस के किसी नेता ने न कुछ बोला, न ही कुछ लिखा और आज अचानक सिर्फ मीडिया आकर्षण पाने और इंडी गठबंधन को साथ न रख पाने की छटपटाहट में ये कार्य किया है। भाजपा नेता ने कहा कि ष्छक्ए एलायंस से जुड़ी हर पार्टी और सदस्य देश में शांति और स्थिरता दोनों के लिए खतरा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने के बाद से आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। हत्याओं और आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि के साथ अपराध ा और कानून व्यवस्था की स्थिति भी तेजी से समस्याग्रस्त हो गई है। पार्टी के अंदर अंदरूनी खींचतान चल रही है। उन्होंने कहा कि आज पवित्र स्वर्ण मंदिर द्वार पर गोली चलना और एक पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष रहे, उन पर हमले का प्रयास दर्शाता है कि आज पंजाब में स्थिति किस सीमा तक पहुंच गई है। इसका मुख्य कारण ये है कि आम आदमी पार्टी में आपसी खींचतान चल रही है।

5 दिसंबर को सीएम और दो उपमुख्यमंत्री ही लेंगे शपथ, कैबिनेट सदस्यों पर जल्द होगा फैसला

मुबई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के लिए भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक विजय रूपाणी ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्रियों को 5 दिसंबर को मुंबई आजाद मैदान में होने वाले समारोह में शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि महायुति गठबंधन के सहयोगियों–शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के साथ चर्चा के बाद अन्य कैबिनेट मंत्रियों के नामों को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। तीनों दलों के नेता आज दोपहर महाराष्ट्र के राज्यपाल से मुलाकात करने वाले हैं। रूपाणी ने महाराष्ट्र विधान भवन में आयोजित राज्य भाजपा विधायक दल की बैठक के दौरान कहा कि महायुति

में कोई मतभेद नहीं है, सभी खुश हैं और सब कुछ ठीक है। भारतीय जनता पार्टी ने सर्वसम्मति से देवेन्द्र फडणवीस को महाराष्ट्र भाजपा विधायक दल का नेता चुना। आज की बैठक के दौरान, फडणवीस का नाम वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने प्रस्तावित किया और नवनिर्वाचित विध ाायकों से सर्वसम्मति से समर्थन प्राप्त किया। बैठक से पहले, कई भाजपा विधायकों ने महाराष्ट्र के अगले सीएम के रूप में फडणवीस के लिए अपनी प्राथमिकता व्यक्त की और उन्हें अपनी पहली पसंद बताया। जैसे ही भाजपा नेताओं ने सर्वसम्मति से देवेंद्र फडणवीस को अपने विधायक दल का नेता चुना, श्देवा भाऊ तुम आगे बढ़ोश के नारे लगाए गए। फडणवीस ने अपने संबोधन में कहा कि मैं विध ाायक दल के सभी लोगों को ध ान्यवाद देता हूं कि आप सभी ने सर्वसम्मति से मुझे चुना। मैं हमारे केंद्रीय पर्यवेक्षकों विजय रूपानी और निर्मला सीतारमण को भी धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ये ऐतिहासिक चुनाव थे और इन चुनावों ने साबित कर दिया है भाजपा नेता ने कहा कि हमने हरियाणा के साथ अपनी जीत का सिलसिला फिर से शुरू किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा–अर्चना की

नई इिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा–अर्चना की। राष्ट्रपति ने 'ग्रांड रोड' में एक किलोमीटर की दूरी पैदल तय की। जब राष्ट्रपति आम श्रद्धालु की तरह सड़क से जा रही थीं तो सैकड़ों लोग सड़क के दोनों ओर खड़े हो गए और उनका अभिवादन किया। मंदिर को कुछ समय के लिए आम लोगों के वास्ते बंद कर दिया गया ताकि राष्ट्रपति मंदिर के गर्भगृह में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन सुलभता से कर सकें। राष्ट्रपति के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा, पुरी के सांसद संबित पात्रा और अन्य लोग मौजूद थे। मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद मुर्मू ने कहा, ''मैंने भगवान से कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की साथ ही देश के लोगों के लिए भी प्रार्थना की तथा उनकी खुशहाली की कामना की।'' वह मंदिर में करीब 30 मिनट रहीं। मंदिर पहुंचने पर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति को दर्शन कराने वाले सेवादार राजरतन महापात्रा ने बताया कि उन्होंने गर्भगृह में मत्था टेका और आरती की। राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर में मां बिमला और महा लक्ष्मी की भी पूजा–अर्चना की। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रपति की यात्रा के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई। मंदिर से राष्ट्रपति मुर्मू शहर में एक अन्य कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रवाना हो गईं।

दिल्ली सरकार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध से प्रभावित श्रमिकों को 8,000 रुपये का मुआवजा देगी

नई इिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण के कारण शहर में निर्माण संबंधी गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध से प्रभावित 90,000 से अधिक पंजीकृत श्रमिकों में से प्रत्येक को 8,000 रुपये की वित्तीय सहायता देने का फैसला किया है। प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआर एपी) के तहत 18 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में निर्माण संबंधी गतिविधि ायों पर प्रतिबंध लगाया गया था। अधिकारियों के अनुसार यह निर्णय अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) आशीष चंद्र वर्मा

की अध्यक्षता में दिल्ली भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की बैठक में लिया गया। यह कदम हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा एनसीआर राज्यों के मुख्य सचिवों को दिए गए निर्देश के मद्देनजर उठाया गया है, जिसमें कहा गया था कि वे 5 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर बताएं कि प्रतिबंधों के कारण बिना काम के रह गए । निर्माण श्रमिकों को कोई निर्वाह भत्ता दिया गया है या नहीं।

जयशंकर ने चीन के साथ संबंधों के लिए तीन प्रमुख सिद्धांत बताए

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को कहा कि वह सीमा मुद्दे का निष्पक्ष और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए चीन के साथ बातचीत जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन संबंध एलएसी की पवित्रता का सख्ती से सम्मान करने और सीमा प्रबंधन पर समझौतों का पालन करने पर निर्भर होंगे, जिसमें यथास्थिति को एकतरफा रूप से बदलने का कोई प्रयास नहीं किया जाएगा। लोकसभा में एक बयान में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में चरण–दर–चरण प्रक्रिया के माध्यम से सैनिकों की "पूर्ण" वापसी हो गई है, जो देपसांग और डेमचोक में समाप्त हो गई है, और भारत अब उन शेष मुद्दों पर बातचीत शुरू होने की उम्मीद करता है जिन्हें उसने एजेंडे में रखा था। उन्होंने कहा कि भारत बहुत स्पष्ट था और यह बहुत स्पष्ट है कि तीन प्रमुख सिद्धांतों का सभी परिस्थितियों में पालन किया जाना चाहिएरू "एकरू दोनों पक्षों को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सख्ती से सम्मान और पालन करना चाहिए, दोरू किसी भी पक्ष को एकतरफा रूप से यथास्थिति को बदलने का प्रयास नहीं करना चाहिए, और तीनरू अतीत में किए गए समझौतों और समझ का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए"। |सेव त्मंक – लोकायुक्त को ईडी के पत्र के पीछे दुर्भावनापूर्ण इरादारू ब्ड "पककंतंउपी जयशंकर का विस्तृत बयान भारतीय और चीनी सेनाओं द्वारा पूर्वी लद्दाख में दो अंतिम टकराव बिंदुओं से सैनिकों की वापसी पूरी करने के कुछ सप्ताह बाद आया है, जिससे पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चार साल से अधिक समय से चल रहा सैन्य टकराव प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा, ष्अगली प्राथमिकता तनाव कम करने पर विचार करना होगी, जो एलएसी पर सैनिकों की तैनाती और उनके साथ अन्य सहायक उपकरणों की व्यवस्था को संबोधित करेगा।ष हमारे हालिया अनुभवों के आलोक में सीमा क्षेत्रों के प्रबंधन पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होगी।ष चीन के साथ निकट भविष्य में अपने संबंधों की दिशा पर भारत की अपेक्षाओं के बारे में उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखना एक पूर्व शर्त है। उन्होंने कहा, ष्हमारे संबंध ा कई क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं, लेकिन हाल की घटनाओं से स्पष्ट रूप से नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं। हम स्पष्ट हैं कि सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखना हमारे संबंध ाों के विकास के लिए एक पूर्व शर्त है। आने वाले दिनों में हम तनाव कम करने के साथ–साथ सीमा क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों के प्रभावी प्रबंध ान पर भी चर्चा करेंगे।ष जयशंकर ने कहा कि विघटन चरण के समापन से अब "हमें अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को सर्वोपरि रखते हुए, द्विपक्षीय जुड़ाव के अन्य पहलुओं पर एक सुनियोजित तरीके से विचार करने का अवसर मिलता है"। विदेश मंत्री ने 1962 के संघर्ष और उससे पहले की घटनाओं के परिणामस्वरूप अक्साई चिन में 38,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर चीन के "अवैध कब्जे" सहित दोनों देशों के बीच बड़े सीमा प्रश्न पर भी गहन चर्चा की। |सेव त्मंक – बदमाश ने घर में घुसकर 3 लोगों की हत्या कर दीरू पुलिस ने जांच शुरू की "इसके अलावा, पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से 5180 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र चीन को सौंप दिया,। जो 1948 से उसके कब्जे में था।" ?"भारत और चीन ने सीमा मुद्दे को हल करने के लिए कई दशकों तक बातचीत की है। हालांकि एक स-|ब है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में दोनों के बीच आम समझ नहीं है," उन्होंने कहा। "हम सीमा समझौते के लिए एक निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य ढांचे पर पहुंचने के लिए द्विपक्षीय चर्चाओं के माध्यम से चीन के साथ जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं," उन्होंने कहा। 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद सरकार के दृष्टिकोण के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि अतीत की तरह सामान्य आदान–प्रदान, बातचीत और गतिविधियों को जारी रखना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, ष्इस संबंध में, हमने स्पष्ट किया है कि हमारे संबंध ाों का विकास आपसी संवेदनशीलता, आपसी सम्मान और आपसी हितों के सिद्धांतों पर निर्भर है।ष उन्होंने कहा कि इस पूरी अवधि के दौरान, सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के अभाव में भारत–चीन संबंध सामान्य नहीं हो सकते।

संपादकीय

मुफ्त की बड़ी कीमत

सत्ता हासिल करने के लिये शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की कीमत अब पंजाब और हिमाचल चुका रहे हैं। दोनों राज्य फिलहाल गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। निश्चित तौर पर यह आर्थिक संकट चुनावी अभियानों के दौरान किए गए लोकलुभावन वायदों के चलते ही उत्पन्न हुआ है। जिसके कारण पिछले दिनों हिमाचल में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में व्यवधान देखा गया। पंजाब में विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने मतदाताओं को तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का वायदा किया था। सत्ता में आने पर राज्य सरकार ने अपने वायदे को अमली जामा पहनाया। जिसके चलते चालू वित्त वर्ष के लिये बीस हजार करोड़ से अधिक सब्सिडी बिल आया है। इसी तरह कांग्रेस के नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को खुश करने के लिये पुरानी पेंशन लागू करने का वायदा किया। यह तय था कि इस घोषणा से राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस आसन्न संकट को महसूस करते ही विगत में केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना से हाथ खींच लिया था। लेकिन अब हिमाचल सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस को पुनर्जीवित करने से, पहले से ही संकटग्रस्त सरकारी खजाने पर एक बड़ा बोझ और बढ़ गया है। वहीं पंजाब में सब्सिडी भुगतान में देरी से पंजाब की स्थिति और खराब हो गई है। लंबित बिल साढ़े चार हजार करोड़ से अधिक हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल की बिल संग्रह दक्षता में भारी गिरावट आई है। दरअसल, पीएसपीसीएल पहले ही ट्रांसमिशन घाटे में वृद्धि के संकट से जूझ रहा है। हालांकि, पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिजली के बिल के बकायादारों और कतिपय सरकारी विभागों से बकाया धनराशि वसूलने से राजस्व बढ़ाने के प्रयासों में कुछ राहत जरूर मिली है। लेकिन कुल मिलाकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जिसकी कीमत कालांतर राज्य की आर्थिकी को ही चुकानी होगी। निश्चित तौर पर पंजाब को मुफ्त की बिजली देने से उत्पन्न संकट से जल्दी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आते। राज्य फिलहाल उधार हासिल करने की सीमा के करीब पहुंच गया है। जिसके चलते मुफ्त बिजली योजना चलती रह सकेगी, इसमें संदेह है। कमोबेश हिमाचल प्रदेश भी ऐसे ही संकट से दो चार है। राज्य की वित्तीय बदहाली इस बात की गवाह है। पुरानी पेंशन योजना की बहाली ने राज्य के वित्तीय दायित्वों को बढ़ा दिया है। जिसके चलते वेतन और पेंशन से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये मासिक रूप से दो हजार करोड़ की अतिरिक्त आवश्यकता होती है। जो वित्तीय दिक्कतों की अंतहीन शृंखला को जन्म दे रही है। राज्य 6200 करोड़ की अपनी ऋण सीमा समाप्त होने के बाद, अपने रोजमर्रा के खर्चों को प्रबंधित करने के लिये भविष्य की उधारी पर निर्भर होता जा रहा है। आर्थिक मामलों के जानकार चिंता जता रहे हैं कि राज्य की आर्थिक स्थिति और खराब हो सकती है क्योंकि अगले वित्तीय वर्ष में केंद्र का राजस्व घाटा अनुदान आधा होने की बात कही जा रही है। वहीं अपनी लोकलुभावनी नीतियों के दुष्प्रभावों को नजरअंदाज करके दोनों राज्यों की सरकारों ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर फंड रोकने और भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप ही लगाया है। वहीं दूसरी ओर पूंजी निवेश योजना के लिये विशेष सहायता से हिमाचल को बाहर किए जाने पर तल्ख राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ ऐसे ही पंजाब सरकार भी विकास निधि के आवंटन में पक्षपात का आरोप केंद्र सरकार पर लगाती रही है। जबकि यह एक हकीकत है कि चुनावी लोकलुभावनवाद से प्रेरित अस्थिर राजकोषीय नीतियां ही संकट के मूल में हैं। यह टकसाली सत्य है कि राज्य सरकारें बढ़ते कर्ज और घटते राजस्व के चलते वित्तीय संकट से जूझ रही हैं। यह वक्त की दरकार है कि राज्य सरकारें अपना ध्यान खैरात बांटने के बजाय संरचनात्मक सुधारों पर केंद्रित करें। दरअसल, राज्यों को वित्तीय संकट से उबारने के लिये राजकोषीय विवेक, कुशल कर संग्रह और तार्किक सब्सिडी समय की मांग है।

अमेरिकी डॉलर में घटते भरोसे

डॉलर की चमक फीकी पड़ने लगी है। नवंबर 1967 में ब्रिटेन में हेरोल्ड विल्सन सरकार द्वारा पाउंड स्टर्लिंग का अभूतपूर्व 14: अवमूल्यन करने के बाद से ही अमेरिकी डॉलर वैश्विक व्यापार में लेन–देन निपटान के लिए पसंदीदा मुद्रा के रूप में हावी रहा है। चार साल बाद, ब्रेटन वुड्स प्रणाली वस्तुतः तब ध्वस्त हो गई जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने सोने के मानक को त्याग दिया, उस सुविधा को समाप्त कर दिया जो अमेरिकी डॉलर को सोने में बदलने की अनुमति देती थी। इन दो महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के बाद, अमेरिकी डॉलर को सार्वभौमिक रूप से एक सुरक्षित मुद्रा के रूप में मान्यता मिली। लेकिन अब विश्व मामलों में पश्चिमी वर्चस्व को लेकर बढ़ती चिंता के बीच डॉलर पर यह भरोसा कम होने लगा है। चीन जैसे देश डॉलर के प्रभुत्व से परेशान हो गए हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार किए गए एक हालिया नोट से पता चला है कि अमेरिका में व्यापार चालान का 96: हिस्सा डॉलर का है, लेकिन एशिया–प्रशांत क्षेत्र में केवल 74: हिस्सा डॉलर का है। बीजिंग द्वारा युआन–सेटल किए गए ट्रेडों पर जोर देने के साथ तथाकथित डी–डॉलराइजेशन कदम ने गति पकड़ ली है। रूस यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के शिकंजे को तोड़ने की कोशिश कर रहा है, जिसने डॉलर से जुड़े निपटान के लिए क्लियरिंग हाउस तक उसकी पहुँच को रोक दिया था। नतीजतन, अब रूस में विदेशी मुद्रा व्यापार में चीनी युआन का हिस्सा लगभग आध ा है। अब ब्रिक्स ने अपनी मुद्रा शुरू करने का विचार पेश किया है। यह विचार अभी भी एक अस्पष्ट चरण में है और इस बात की कोई निश्चितता नहीं है कि यह फलीभूत होगा। लेकिन इसने स्पष्ट रूप से अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को परेशान कर दिया है, जिन्होंने इस विचार को विफल करने के लिए ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका द्वारा अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले सामानों पर 100: टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ।सेव त्मंक – विदेश राज्य मंत्री के संपादकीय में कहा– शरणार्थियों के कारण विदेशों में भारत की छवि को नुकसान पहुंचा ब्रिक्स पहले से ही अपने सदस्यता आधार का विस्तार करने की कोशिश कर रहा है। कई देश अपनी मुद्रा सहित पारस्परिक रूप से सहमत मुद्राओं में लेनदेन निपटाने की संभावना तलाश रहे हैं। यदि ऐसा मुद्रा संघ क्रिस्टलीकृत होता है, तो यह डॉलर से दूर जाने को बढ़ावा देगा। डॉलर में गिरावट को बताना अभी भी जल्दबाजी होगी। हालांकि, जे.पी. मॉर्गन की रिपोर्ट का दावा है कि डॉलर के वर्चस्व को सबसे बड़ा खतरा डिजिटल तकनीक से है। ज्यादा से ज्यादा केंद्रीय बैंक अपनी डिजिटल मुद्राएँ लॉन्च कर रहे हैं और जल्द ही उनका उपयोग करके ट्रेडों का निपटान करने का विकल्प चुन सकते हैं। प्रोजेक्ट एमब्रिज के निर्माण के साथ एक कदम पहले ही उठाया जा चुका है जो चीन, हांगकांग, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में केंद्रीय और वाणिज्यिक बैंकों को डॉलर पर निर्भर किए बिना जोड़ता है। छोटे–छोटे कदमों से बड़े बदलाव होते हैं।

खुदाई और गिग्स: अजमेर शरीफ और हिंदुत्व का पुरातत्व

एक हिमस्खलन की तरह है जो गति पकड़ रहा है। या हो सकता है कि यह एक भूस्खलन हो जो गति पकड़ रहा है। या हो सकता है कि यह एक वायरस हो। जो भी हो, यह उत्तर भारत में ज़्यादा से ज़्यादा मुकदमों को जन्म दे रहा है। यह निश्चित रूप से लगता है कि "देश को उबाल पर रखना" भाजपा और लगभग 100 साल पुराने स्वैच्छिक सामाजिक सेवा संगठन आरएसएस के नेतृत्व में "हिंदू दक्षिणपंथियों" के लिए एक आजमाई हुई, परखी हुई, आसान और सफल रणनीति के रूप में फिर से लोकप्रिय हो गया है। । पुनर्गठित करके भारत को "गौरव के शिखर" पर पहुँचाने के मिशन पर, अंतर्राष्ट्रीय हरि हर सेना श्री राम सेना, हिंदू सेना और वकीलों और उत्साही याचिकाकर्ताओं जैसे पुराने मुकध्दमेबाज हिंदू संगठनों ने उत्तर भारत भर की जिला अदालतों में युद्ध की मुद्रा में कई मुकध्दमे दायर किए हैं। मांग सीधी है। 30,000 स्थलों को ध्वस्त करें और खोदें जहाँ आस्था रखने वालों को यकीन है कि वहाँ मंदिर बनाए गए थे और मस्जिदें बनाई गई थीं। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह अजमेर शरीफ को जोड़कर, जिसे भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर खोजने के लिए खोदा जाना चाहिए, हिंदू दक्षिणपंथियों ने खुद को ही मात दे दी है। शरणार्थियों के कारण विदेशों में भारत की छवि को नुकसान पहुंचा भक्तों के बीच सूफी फकीर की कब्र पर चादर चढ़ाना आम बात है। हाल के दिनों में ऐसा करने वालों में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दुनिया भर से हजारों श्रद्धालु शामिल हैं। जब श्री मोदी ने चादर भेजी, जिसे कैमरे में कैद किया गया, तो माना गया कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले मुस्लिम मतदाताओं को खुश करने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, अन्य लोगों ने प्रार्थना की है और आगरा के पास फतेहपुर सीकरी दरगाह सहित सूफी दरगाहों का दौरा किया है, जैसे कि पूर्व फ्रांसीसी राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी और उनकी साथी कार्ला ब्रूनी, जिन्होंने एक बच्चे के लिए प्रार्थना की और वास्तव में एक बच्चा हुआ। भारतीय अतीत की लड़ाई में व्यस्त हैं हिंदुत्व या हिंदू कट्टरवाद, या हिंदू पुनरुत्थान – हालांकि सहस्राब्दियों से पनपने वाली किसी चीज को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता क्यों है, यह एक रहस्य है, क्योंकि यह कभी फीका नहीं पड़ा, विलुप्त होने के कगार पर था, हालांकि सम्राट अशोक के समय और उसके बाद बौद्ध धर्म द्वारा इसे ग्रहण किए जाने का खतरा था। लेकिन इक्कीसवीं सदी के भारत में, कुछ लोगों का मानना घ्है कि इसे जलाए रखने के लिए जलाने की जरूरत है। संदेह है या माना जाता है कि नष्ट किए गए मंदिरों को पुनर्जीवित करना हिंदुत्व का नया और पूरक एजेंडा है। । मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से कैसे निपट रहे हैं? हिंदुत्व की सेवा में एक नया पुरातत्व स्थापित किया गया है। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के लिए ध न्यवाद, स्टार्टर या चिंगारी या जलाने वाला उनका 2022 का फैसला था जिसमें 1991 के कानून को पलट दिया गया था, जिसका उद्देश्य षकिसी भी पूजा स्थल के रूपांतरण को रोकना और किसी भी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बनाए रखने का प्रावधान करना था जैसा कि 15 अगस्त 1947 को मौजूद थाष जिसे अन्यथा पूजा स्थल अधिनियम के रूप में जाना जाता है। जबकि कानून को छेड़छाड़–रोधी बनाया गया था, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, जो अपनी धर्मनिष्ठा को अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों के साथ मिलाते हुए प्रतीत हुए, ने फैसला किया कि वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद की नींव में खुदाई करके "शिव लिंग" को बाहर निकालना पूरी तरह से उचित था। इस

उलटफेर और इसके परिणामों के परिणामस्वरूप यूपी के संभल में शाही जामा मस्जिद के नीचे क्या है, इस विवाद को लेकर चार लोग मारे गए और कई घायल हो गए। एक महंत के दावे के बाद एक वकील ने दावा किया, जो ज्ञानवापी, मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद और संभल विवाद से शुरू होकर अन्य पूजा स्थलों के विवादों में शामिल है। सेवानिवृत्त होने के बाद और इस तरह अपनी धर्मनिष्ठा को सार्वजनिक तमाशे में बदलने वाले कैमरे के सामने जाने के बजाय निजी तौर पर आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र होने के कारण, सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश अब अपने फैसले के परिणामों को किनारे से देख सकते हैं। हिंदू पुनरुत्थान की खोज में हिंदू दक्षिणपंथी, न्यायपालिका द्वारा समर्थित और प्रोत्साहित, जो अपने उन निर्णयों का समर्थन करने के लिए भगवान का सहारा लेती है जो मूल रूप से त्रुटिपूर्ण हैं, जैसा कि अयोध्या भूमि विवाद में हुआ, अब हिंदुत्व के पुरातत्व का हिस्सा है। खुदाई और टमटम को वैध बनाने के लिए, अधिवक्ताओं और विभिन्न वादियों के पास एक न्यायपालिका है जो कानून को पलटने के लिए तैयार है ताकि कानून के अनुसार जो नहीं किया जा सकता है उसे संभव बनाया जा सके। इसलिए, यह दावा आत्मविश्वास से किया जा सकता है कि कानूनी कार्यवाही "बुलेट ट्रेन" से भी तेज गति से आगे बढ़ेगी और उनके द्वारा परिभाषित न्याय होगा। हिंदुत्व पुरातत्व "डी–इस्लामीकरण" की परियोजना के लिए आवश्यक है, जैसा कि मुजीबुर रहमान ने अपनी हालिया पुस्तक शिख्वा ए हिंद में कहा है। खुदाई और टमटम पूरक परियोजना को वैध बनाने के लिए आवश्यक दिखावा है ताकि अयोध्या मामले में मस्जिद विध्वंस के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के नेतृत्व वाली सर्वोच्च अदालत द्वारा "जघन्य अपराध" के रूप में वर्णित किए गए अपराध से बचा जा सके। कानून और करदाता भावनाओं के निंदनीय शोषण के साधन के रूप में इस्तेमाल किए जाने के लिए असुरक्षित हैं क्योंकि हिंदू पुनरुत्थानवादी मूल रूप से परोपकारी या उत्साही धर्मयुद्ध करने वालों की बजाय मुफ्तखोरों का एक समूह हैं। अदालतों के पुनरुत्थानवादियों के पसंदीदा उपकरण में बदल जाने के साथ, वक्फ संपत्तियों पर कानून में प्रस्तावित बदलाव निश्चित रूप से उन हजारों मामलों में इजाफा करेंगे जो पहले से ही वक्फ प्रशासित संपत्तियों से संबंधित भूमि और अन्य विवादों पर न्यायिक प्रणाली में हैं। नरेंद्र मोदी सरकार के लिए विकल्प सरल हैरू वह मस्जिद विध्वंस–मंदिर पुनर्निर्माण की पूरक परियोजना का समर्थन कर सकती है ।

चीन और अमेरिका शीर्ष पर पहुंचने की दौड़ में हैं भारतीय अतीत की लड़ाई में व्यस्त हैं

डोनाल्ड ट्रंप की शानदार जीत ने अमेरिका के अपने एकमात्र प्रतिद्वंद्वी चीन के साथ संबंधों पर ध यान केंद्रित किया है। आठ साल पहले, श्री ट्रंप ने चीन को अमेरिका के लिए मुख्य खतरा माना था और इसके आर्थिक विकास को रोकने के लिए काम किया था। उन्होंने टैरिफ के माध्यम से चीन को संयुक्त राज्य अमेरिका के बाजार तक पहुंच से वंचित करने का प्रयास करके ऐसा किया। यह कुछ हद तक सफल रहा और श्री ट्रंप के उत्तराधिकारी जो बिडेन ने टैरिफ जारी रखा। इस साल मेक्सिको अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया, जिसने चीन को पीछे छोड़ दिया, जो एक दशक से इस स्थान पर था। बेशक, अमेरिका को मेक्सिको का अधिकांश निर्यात शुरू में चीन से होता था, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि चीन को वास्तव में कितना नुकसान हुआ है। श्री बिडेन ने सबसे उन्नत माइक्रोचिप्स और उन्हें डिजाइन करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मशीनरी तक पहुंच से वंचित करके चीन के विकास को बाधित करने की दिशा में अगला कदम उठाया। इसे चीन की सैन्य क्षमता को लक्षित करने वाले कदम के रूप में समझाया गया था, लेकिन वास्तविक कारण आर्थिक है। चीन ने इन वस्तुओं का अपना विकास शुरू करके जवाब दिया और विशेषज्ञों का दावा है कि यह केवल कुछ साल पीछे है और किसी समय तक बराबरी कर लेगा। विदेशों में भारत की छवि को नुकसान पहुंचा चीन इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर पैनलों सहित स्वच्छ ऊर्जा में अब तक वैश्विक नेता है। इसका मतलब है कि इसके उत्पादों की कीमत प्रतिस्पर्ध ी है और अक्सर यूरोप और अमेरिका में बनने वाली कारों की तुलना में गुणवत्ता में बेहतर है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क का कहना है कि उनके चीनी संयंत्र द्वारा उत्पादित कारें कंपनी द्वारा बनाई गई सर्वश्रेष्ठ कारें हैं। लेकिन चीन में स्थानीय ब्रांडों द्वारा चीनी–डिजाइन की गई कारों के बारे में भी माना जाता है कि वे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कारों के बराबर हैं और वे भी सस्ती कीमत पर। अमेरिका गैस कारों और ट्रकों के साथ फंस गया है, जो पेट्रोल से चलती हैं और एक सूर्यास्त उद्योग है। फोर्ड और जनरल मोटर्स जैसी अमेरिकी दिग्गज कंपनियों के लिए आज न केवल प्रतिस्पर्धा करने बल्कि जीवित रहने का एकमात्र तरीका टैरिफ और अन्य बाधाओं के माध्यम से चीनी कारों को रोकना है। दो कारणों से यह संभवतः अधिक समय तक नहीं चलेगा। पहला उपभोक्ता हित है और रणनीतिक कारणों से लोगों को सस्ते विकल्पों से वंचित करना लोकप्रिय नहीं होने वाला है। और दूसरा, निश्चित रूप से, यह तथ्य है कि इलेक्ट्रिक वाहन भविष्य हैं, और भले ही उन्हें अनिवार्य न किया जाए, वे पेट्रोल पर चलने वाली कारों की जगह लेंगे। चीन अब अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार का दो–तिहाई (+18 ट्रिलियन से +26 ट्रिलियन) है और पूरे यूरोपीय संघ की अर्थव्यवस्था के बराबर है। अगले 10 वर्षों में, चीन अमेरिका की बराबरी करने के करीब आ जाएगा। किसी अन्य देश ने ऐसा नहीं किया है या ऐसा करने के करीब नहीं आया है। टूटने से पहले, सोवियत संघ अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार का एक चौथाई था। लेकिन वह बहुत अलग समय था और रूसियों का प्रमुख क्षेत्रों में चीन पर कभी प्रभुत्व नहीं था। चीन दुनिया का सबसे बड़ा निर्माता है और दुनिया भर में सभी वस्तुओं का एक तिहाई बनाता है। ऐसा तब हुआ है, जब पिछले डेढ़ दशक में चीनी मजदूरी कई गुना बढ़ी है। कई वर्षों से, यह सस्ता श्रम नहीं है जिसने चीनी निर्यात को बढ़ावा दिया है। कोविड–19 महामारी के बाद से चीन की वृद्धि धीमी हो गई है, लेकिन एक धीमा चीन अभी भी दुर्जेय है। अमेरिका के लिए इसे और बढ़ने से रोकना आसान नहीं होगा और जिस गति से चीन ने तरक्की की है, उसे देखते हुए शायद इस दशक के अंदर ही हमें इसका सामना करना पड़ेगा। आज भू–राजनीति में यह प्राथमिक प्रश्न और मुख्य मुद्दा हैरू चीन को उसकी बराबरी करने से रोकने के लिए अमेरिका क्या कर सकता है? अगर कुछ खास नहीं है, तो चीन के अमेरिका के बराबर हो जाने और उसके तुरंत बाद दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बन जाने के बाद दुनिया का क्या होगा? हम दोनों का जवाब खोज लेंगे। कई प्रमुख मुद्दों पर चीजें बदलने की संभावना है। एक तो यह कि अमेरिका और उसके सहयोगी पिछले कुछ दशकों में दुनिया भर में जो कर पाए हैं, उसे करने में कम सक्षम होंगे। चीन दावा करता है कि वह हस्तक्षेप नहीं करता है और शायद यह सच भी हो, लेकिन फिर भी चीन कभी भी एक जुड़ी हुई दुनिया में प्रमुख शक्ति नहीं रहा है। दुर्भाग्य से हम भारतीयों के लिए, हालांकि हम दुनिया के सबसे बड़े राष्ट्र हैं, यहां हमारी भूमिका सीमित है। हम मूकदर्शक हैं क्योंकि हम वह नहीं कर पाए हैं जो चीन ने किया है। 1990 में, भारत और चीन प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में एक ही आकार की अर्थव्यवस्थाओं के साथ थे (वास्तव में विश्व बैंक के आंकड़े कहते हैं कि भारत थोड़ा आगे था)। ष्उदारीकरणष के साढ़े तीन दशक और नरेंद्र मोदी की प्रतिभा के तहत एक दशक में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 2014 में चीन की प्रति व्यक्ति जीडीपी 7,600 डॉलर थीय हमारी 1,559 डॉलर थी। एक दशक बाद वे 12,614 डॉलर पर हैं और हम 2,400 डॉलर पर हैं। किसी भी मामले में, अब हमारे पास शब्दों के अलावा चीन से प्रतिस्पर्धा करने की महत्वाकांक्षा नहीं है। भू–राजनीति के परिदृश्य में, भारत का उतना ही संदर्भ है जितना कि, मान लीजिए, ब्रिटेन या फ्रांस का हो सकता है। दोनों ने शक्तियां खर्च कीं और दोनों ही सार्थक अर्थों में विशेष रूप से प्रासंगिक नहीं हैं। भारत भी ऐसा ही है।वास्तविक विकास के विकल्प के रूप में आपस में लड़ना और सदियों पुराने विवादों को खोदना। वर्तमान और भविष्य तब तक प्रतीक्षा कर सकते हैं जब तक हम अतीत को ठीक नहीं कर लेते।

मोदी के दोस्त की अमेरिका में वापसी के साथ क्या बड़ा धमाका करने वाला है अमेरिका?

1980 के दशक का विवादित केस बोफोर्स फिर से खुल सकता है। दरअसल, सीबीआई ने अमेरिका को न्यायिक अनुरोध भेजने वाली है। इससे पहले अमेरिकी जासूस माइकल हसनन ने एक टीवी चौनल पर कहा था कि वो इस बारे में जानकारी साझा करना

चाहते हैं और इसी के बाद सीबीआई की ओर से पहल की गई है। इस केस को 2011 में बंद कर दिया गया था और आरोपी राजीव गांधी व कात्रोची को बरी कर दिया गया था। लेकिन 13 साल बाद फिर से खुलता हुआ दिखाई पड़ रहा है। जांच एजेसी सीबीआई बोफोर्स मामले मे निजी जासूस माइकल हर्शमैन से अमेरिका को एक न्यायिक अनुरोध भेजेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हर्शमैन ने 1980 के दशक के 64 करोड़ रुपये के कथित बोफोर्स रिश्वत कांड के बारे में अहम जानकारी भारतीय एजेंसियो के साथ साझा करने की इच्छा जताई की थी। सीबीआई ने एक विशेष अदालत को भी इस बारे में सूचित किया है, जो मामले में आगे की जांच के लिए एजेंसी की याचिका पर सुनवाई कर रही है। अधि ाकारियों ने बताया कि श्लेटर रोगेटरीश भेजने की प्रक्रिया इस साल अक्टूबर में शुरू की गई थी। अमेरिका को औपचारिक अनुरोध भेजने में लगभग 90 दिन लगने की संभावना है। लेटर रोगेटरी एक लिखित अनुरोध है जो एक देश की अदालत द्वारा किसी आपराधिक मामले की जीच में मदद करने के लिए दूसरे देश की अदालत को भेजा जाता है। फेयरफैक्स ग्रुपश के प्रमुख माइकल हर्शमैन 2017 में निजी जासूसों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आए थे। वह कई मंचों पर दिखाई दिए और उन्होंने आरोप लगाया कि घोटाले की जांच कांग्रेस सरकार द्वारा पटरी से उतार दी गई थी। हर्शमैन ने कहा है कि वह सीबीआई के साथ ब्योरा साझा करने के लिए तैयार है। सीबीआई ने अदालत को सूचित किया कि वह जांच को फिर से खोलने की योजना बना रही है। विश्वनाथ प्रताप सिंह उस समय वित्तमंत्री थे जब राजीव गांधी के साथ में उनका टकराव हुआ। मामला यह था कि विश्वनाथ प्रताप सिंह के पास यह सूचना थी कि कई भारतीयों द्वारा विदेशी बैंकों में अकूत धन जमा करवाया गया है। इस पर विश्वनाथ प्रताप सिंह ने अमेरिका की एक जासूस संस्था फेयरफैक्स की नियुक्ति कर दी ताकि ऐसे भारतीयों का पता लगाया जा सके। जब यह समाचार भारतीय मीडिया तक पहुँचा तो वह प्रतिदिन इसे सिरमौर बनाकर पेश करने लगा। इस श्ब्रेकिंग न्यूजश का उपयोग विपक्ष ने भी खघूब किया। उसने जनता तक यह संदेश पहुँचाया कि 60 करोड़ की दलाली में राजीव गांधी की सरकार जांच से भाग रही थी। वीपी सिंह लोगों से कहते थे कि सेना के जवानों ने पहली बार बोफोर्स दागा तो इसने बैक फायर किया और अपने ही कई जवानों की जान ले ली। सिंह ने अपने अंदाज में भरी गर्मी में मोटरसाइकिल पर, गले में गमछा लपेट कर, एक राजनीतिक कार्यकर्ता की तरह प्रचार किया। वे गांव के लोगों से सरल सा सवाल पूछते थे, क्या आपको अंदाजा है कि राजीव गांधी ने आपके घर में सेंध लगा दी है? फिर वे अपने कुर्ते की जेब से एक माचिस निकालते थे और लोगों को दिखाते थे। इस माचिस को देखो। जब आप अपनी बीड़ी, हुक्का या चूल्हा जलाने के लिए चार आने (25 पैसे) की माचिस खरीदते हैं तो एक चौथाई टैक्स के रूप में सरकार को जाता है। सरकार इस पैसे से स्कूल। अस्पताल, सड़क और नहर बनती है और सेना के लिए हथियार खरीदती है। यह आपका पैसा है। अगर कोई सेना के लिए हथियार खरीदने के नाम पर इसका कुछ हिस्सा चुरा ले तो क्या यह आपके घर में सेंध लगाना नहीं है? यह बताने के लिए कि केवल राजीव गांधी ने ही यह घूस लिया है, वीपी सिंह एक कहानी सुनाते थे। एक सर्कस में एक शेर था, एक घोड़ा था, एक बैल और एक बिल्ली थी। वे आसपास रहते थे, एक रात किसी ने पिंजड़े खोल दिए और अगली सुबह सर्कस के मालिक को घोड़े और बैल का कंकाल मिला। क्या किसी को शक है कि उन्हें किसने खाया होगा? शेर ने या बिल्ली ने? अगर इतनी बड़ी रकम खाई गई है तो क्या किसी बेचारी बिल्ली ने खाया है? सिर्फ शेर के जैसे राजीव ही खा सकते हैं। केस 2011 में बंद कर दिया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने 2004 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाध ी को केस में बरी कर दिया था। उसने एक साल बाद राजनीतिक रूप से सवेदनशील इस मामले में हिंदुजा बंधुओ समेत बाकी आरोपियों के खिलाफ सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। इटली के बिजनेसमैन और कथित तौर पर रिश्वत मामले में बिचौलिए ओत्तावियो क्वात्रोची को 2011 में एक अदालत ने बरी कर दिया था। कोर्ट ने सीबीआई को अभियोजन वापस लेने की अनुमति दी थी।

दीवारें उठी तो छोटा होगा हमारा आंगन

विश्वनाथ सचदेव

संभल की जामा मस्जिद का विवाद अभी सुलग ही रहा था कि अजमेर की दरगाह को भी विवाद के घेरे में उलझा दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह दरगाह भी किसी हिंदू मंदिर को ढहा कर बनायी गयी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश में कई मस्जिदें मंदिरों के ऊपर बनायी गयीं। वह हमारे इतिहास का हिस्सा है। यह काम न होता तो अच्छा था। मंदिर अपनी जगह बने रहते, मस्जिदें अपनी जगह बनतीं। लेकिन इतिहास इस बात का साक्षी है कि विजेता पक्ष अपनी महत्ता और ताकत को साबित करने के लिए इस तरह के दंभपूर्ण काम करता है। अपने ही देश में एक धर्म के मंदिर ढहा कर दूसरे धर्म का पूजा स्थल बनाये जाने के ढेरों उदाहरण हैं। न जाने कितने बौद्ध मंदिर हिंदू मंदिरों को ढहा कर बने थे, और इसका विपरीत काम भी हुआ था। निरूसंदेह, धर्म के नाम पर यह 'लड़ाई' निंदनीय ही कही जा सकती है। यह भी समझना होगा कि इस तरह की लड़ाई अनंतकाल तक नहीं चल सकती। कहीं तो इस पर पूर्ण–विराम लगना ही चाहिए था। स्वतंत्र भारत के नेतृत्व में आजादी पाने के दिन अर्थातद्द 15 अगस्त, 1947 यह पूर्ण–विराम घोषित कर दिया। हमारी संसद ने वर्ष 1991 में एक कानून बनाकर यह तय कर दिया कि देश के सभी धार्मिक स्थल उसी रूप में रहेंगे जो सनद्द 15 अगस्त, 1947 को थादृ सिर्फ बाबरी मस्जिद के प्रकरण को इससे बाहर रखा गया था, क्योंकि यह विवाद तब न्यायालय में पहुंच चुका था। बहरहाल, अब वह विवाद नहीं रहा, अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है। उम्मीद की गयी थी कि इसके साथ ही 'इतिहास को ठीक' करने का तर्क भी समाप्त हो जायेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने तो स्पष्ट कहा था कि मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने की कवायद बंद होनी चाहिए। पर ऐसा हुआ नहीं। कहना चाहिए ऐसा होने नहीं दिया जा रहा। कुछ तत्वों से जुड़े लोग चाहते हैं, कि इस विवाद की आंच जलती रहे। संभल और अजमेर में यही आंच जलाये रखने की कोशिश हो रही है। इससे, किसे क्या लाभ होगा यह वही जाने, पर नुकसान सारे देश को हो रहा है। अतीत के 'अपराधों' को ठीक करने के नाम पर हम अपने भविष्य के प्रति 'अपराध' किये जा रहे हैं! संविधान की मूलभूत भावना की रक्षा के लिए हमने 'पूजास्थल कानून' बनाया था। तय किया था कि अब किसी पूजा स्थल में किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं होगा। स्पष्ट है, यह बीती को बिसार के आगे की सुधि लेने वाला निर्णय था। ताकि भविष्य सुरक्षित रहे, बेहतर हो। अब इस महत्वपूर्ण निर्णय को स्वयं न्याय व्यवस्था नकारती–सी दिख रही हैं। पहले वाराणसी में, और अब संभल में मस्जिदों के नीचे दबे मंदिरों की न्यायिक जांच करने का आदेश देकर जैसे किसी बांध का दरवाजा खोल दिया है। इस संदर्भ में भीड़–तंत्र सांप्रदायिकता को ही हवा दे रहा है। इसके अलावा और क्या मतलब हो सकता है 'वोट जिहाद' जैसे नारों का? यही नहीं, 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारे वोट भले ही दिलवा दें, पर इससे देश में सांप्रदायिक सौहार्द पर आंच ही आयेगी। आज आवश्यकता सांप्रदायिकता की आग पर पानी–मिट्टी डालने की है, लेकिन एक तरह से विवाद को भड़काया ही जा रहा है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा के विकास पर दिया जोर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने आगामी वित्तीय वर्ष के बजट की तैयारी और विभागीय योजनाओं की प्रगति को लेकर अपने कार्यालय में समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने मंत्री को विभिन्न विषयों और योजनाओं के बारे में जानकारी दी। मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि योगी सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि बजट प्रस्ताव तैयार करते समय छात्रों और शिक्षकों के हितों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही शिक्षा में नई तकनीकों का उपयोग बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

बैठक में उच्च शिक्षा में शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाओं पर चर्चा हुई। मंत्री ने निर्देश दिया कि राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए विशेष फंड का प्रावधान किया जाए। उन्होंने कहा कि शोध और नवाचार के बिना शिक्षा का उद्देश्य अधूरा है। हमें युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना है। बैठक में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और शिक्षकों की नियुक्ति के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि सभी संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं का विकास और शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एनईपी को लागू करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया जाए, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ–साथ रोजगार के अवसर भी मिल सकें। मंत्री ने बैठक के अंत में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं में देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। बैठक में प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल, विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी, शिबू गिरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

वरिष्ठ समाजसेवी अमरनाथ मिश्रा को महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सुमित मौर्य सहायक उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा, लखनऊ ने बताया कि श्री अमरनाथ मिश्रा चीफ वार्डन नागरिक सुरक्षा लखनऊ को नागरिक सुरक्षा में उनके द्वारा सक्रिय रूप से कार्य करने हेतु नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस – 2024 के अवसर पर महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। श्री अमरनाथ मिश्रा को उक्त प्रमाण पत्र लखनऊ में विभिन्न त्योहारों, पर्व, जुलूसो एवं चुनाव आदि कार्यों में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करने हेतु प्रदान किया गया है। इसके पूर्व श्री अमरनाथ मिश्रा को उनके द्वारा नागरिक सुरक्षा लखनऊ में सराहनीय कार्य करने हेतु राष्ट्रपति पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

माध्यमिक स्कूलों के प्रधानाचार्यो के लिए विशेष प्रशिक्षण देगी सीमैट - डा0 दिनेश कुमार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजकीय व ऐडेड माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता,व सहायक अध्यापकों के लिए इनसर्विस कोर्स प्रारम्भ राज्य शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमैट)उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा राज्य के समस्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों/प्रधानाध्यापकों/प्रवक्ताओं/सहायक अध्यापकों को विद्यालय प्रबन्धन में उत्कृष्टता विकसित करने के उद्देश्य दे 6 माह का विशेष प्रशिक्षण का अवसर देने जा रही है।

कोर्स का नाम है 'डिप्लोमा इन एजूकेशनल मैनेजमेंट –

संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल कार्यालय के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि–

कोर्स की अवधि 1 मई 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तय किया गया है।

तीन चरणों में पूर्ण किया जाएगा ये डिप्लोमा कोर्स–

प्रथम चरण 1 मई 2025 से 31 जुलाई 2025 (3 माह) का होगा,जिसमें प्रशिक्षणार्थी को सघन सैद्धांतिक कार्य कराए जाएंगे,जो सीमैट में रेगुलर क्लास करते हुए पूर्ण करना होगा।

सीमैट में 3 माह रहकर प्रशिक्षण पूर्ण करने वालों को ड्यूटी पर माना जायेगा,जिसके लिए वो संस्थान में निर्धारित शुल्क जमा कर के हॉस्टल सुविधा भी ले सकते हैं अथवा संस्थान के बाहर रहकर भी ट्रेनिंग लेने की अनुमति होगी।

द्वितीय चरण के तीन महीने प्रशिक्षणार्थी को उसके कार्यक्षेत्र में संस्थान के पर्यवेक्षण में प्रोजेक्ट कार्य करने होंगे (1 अगस्त 2025 से 31 अक्टूबर 2025)

त्रितीय चरण 5 दिनों का होगा जिसमें प्रशिक्षणार्थी को संस्थान के कार्यशाला में अपने प्रोजेक्ट का प्रस्तुतिकरण ,विचार विमर्श व अपेक्षित संसोधन करना होगा, जिसकी तिथि बाद में बताई जाएगी।

डिप्लोमा प्रक्षिक्षण में किसी भी अशासकीय सहायता प्राप्त गैर

सरकारी माध्यमिक विद्यालय व राजकीय विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक/प्रवक्ता/सहायक अध्यापक हो सकते हैं।

इनको संस्थान द्वारा प्रदान किये जाने वाले आवेदन पत्र को अपने स्कूल प्रबन्धन व सम्बन्धित जनपद के जिला विद्यालय निरीक्षक की संस्तुति तथा अनुभव आदि प्रमाणित कराते हुए इस तरह से पूर्ण करना है कि सीमैट प्रयागराज में प्रत्येक दशा में 15 फरवरी 2025 तक पहुंच जाए।

डिप्लोमा कोर्स के मुख्य उद्देश्य – माध्यमिक स्कूलों में कार्यरत प्रधानाचार्यों में शैक्षिक प्रशासन और प्रबन्धन के क्षेत्र में कार्यकुशलता व दक्षता विकसित करना है।

प्रधानाचार्यों को उनके कार्य क्षेत्र में नवीन जानकारियों, नवाचारों,व चुनौतियों से अवगत कराना है।

प्रधानाचार्यों में अपने व्यवसाय के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करना। पदोन्नति द्वारा प्रधानाचार्य बनने से पूर्व ही प्रवक्ताओं,सहायक अध्यापकों में दक्ष प्रधानाचार्य के गुण का विकास करना।

सीमैट प्रयागराज के निदेशक संजय यादव द्वारा प्रदेश के समस्त जिला विद्यालय निरीक्षकों व संयुक्त शिक्षा निदेशकों को इस कोर्स को अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने के निर्देश जारी किए हैं।

प्रशिक्षण हेतु प्रवेश लेने वालों से उक्त डिप्लोमा कोर्स के लिए रुपये 5 हजार शुल्क भी लिया जाएगा।

डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि जे डी डॉ0प्रदीप कुमार सिंह द्वारा भी लखनऊ मण्डल के सभी 6 जिला विद्यालय निरीक्षकों (लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली, लखीमपुरखीरी, हरदोई) को इस डिप्लोमा प्रशिक्षण कोर्स का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए है।

डॉ0दिनेश कुमार ने बताया प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र सहित विस्तृत जानकारी संस्थान की वेबसाइट siematup.org पर उपलब्ध है,

तथा भरे हुए आवेदन पत्र siematdem@gmail.com पर ईमेल के माध्यम से अथवा डाक से 15 फरवरी 2025 तक भेजा जा सकता है।

डॉ0 दिनेश कुमार,मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल ने कहा कि सरकार द्वारा प्रारम्भ किये गए ऐसे इनसर्विस कोर्स से माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण और बेहतर होगा, साथ ही बदलते परिवेश में प्रधानाचार्य व शिक्षण स्टाफ स्वयं को अपडेट करने के अवसर प्राप्त करेंगे।

बेगमपुरा एक्सप्रेस ट्रेन में सीट पर बैठने के बाद में चाकूबाजी तीन घायल इलाज के दौरान एक की मौत दोनों घायलो का चल रहा इलाज

सुल्तानपुर। सीट पर बैठने को लेकर लखनऊ रेलवे स्टेशन पर बेगमपुरा एक्सप्रेस ट्रेन में चाकूबाजी कर मारपीट का मामला। अमेठी के निहालगढ़ रेलवे स्टेशन पर घायल एक पक्ष को आरपीएफ ने उतार कर अस्पताल में करवाया था भर्ती।इलाज के दौरान घायल तौहीद की हुई मौत। 2 अन्य घायल,एक लखनऊ रेफर। दूसरे आरोपी पक्ष के 4 आरोपितों को सुल्तानपुर रेलवे स्टेशन पर RPF पुलिस ने किया गिरफ्तार।चार आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्यवाही में जुटी GRP और RPF पुलिस फोर्स। लंभुआ थानाक्षेत्र के गौतमपुर गांव के रहने वाले हैं चारों आरोपी।जम्मू से वाराणसी जा रही बेगमपुरा एक्सप्रेस में हुई थी चाकूबाजी की वारदात। एसपी रेलवे के मुताबिक,मामले की चल रही जाँच,मृतक के परिजनों की तरफ से तहरीर मिलने का इंतजार।

संविदा पर तैनात सैकड़ो सुरक्षा गार्डों ने नोटिस मिलने पर किया प्रदर्शन

अयोध्या। जनपद के जिला चिकित्सालय व जिला महिला चिकित्सालय सहित विभिन्न सरकारी अस्पतालों में तैनात 160 सुरक्षा गार्डो को हटा दिया गया। बताया जाता है हटाए गए 160 सुरक्षा गार्ड्स की तैनाती संविदा पर हुई थी।सभी सुरक्षा गार्ड्स को सेवा समाप्ति की नोटिस मैन पावर सप्लाई करने वाली आईटी वर्ड सुल्तानपुर ने सुरक्षा गार्ड्स को सेवा समाप्ति का दिया था।जिसको लेकर गुरुवार को वहां पर हटाये गये सभी सुरक्षा गार्डो ने जिला अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया। जिला चिकित्सालय में प्रदर्शन कर रहे संविदा पर तैनात सुरक्षा गार्डो ने कहा कि जब हम सभी को निकालना ही था तो भर्ती क्यों किया।यही आदेश सीएमओ ऑफिस से जारी पत्र के चलते हुआ। इस संबंध में सीएमओ डॉक्टर संजय जैन ने बताया कि जिले के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में तैनात 160 संविदा पर तैनाश सुरक्षा गार्ड्स को हटाने का आदेश कार्यालय द्वारा दिया गया है।उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों में सुरक्षा गार्ड्स की तैनाती उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से करने के निर्देश दियें है।

किसान कार्ड के जरिए पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का मिलेगा लाभ – डीएम

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जनपद के किसानों का आधार कार्ड की तर्ज पर किसान कार्ड बनाया जा रहा है, इसके लिए जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र द्वारा रोस्टर जारी कर 25 जनवरी तक जिले की समस्त राजस्व गांवो में शिविर लगाकर किसान रजिस्ट्री की जाएगी,इसी क्रम में गुरुवार को जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा सदर तहसील के प्राथमिक विद्यालय उतरेजपुर में एग्री स्टैक योजनान्तर्गत कराए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री कार्य का निरीक्षण किया गया।

शिविर में तीन किसानों का जिलाधिकारी द्वारा स्वयं फार्मर रजिस्ट्री कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री में किसान का आधार नंबर, खेत का रकबा नंबर, खसरा नंबर, मोबाइल नंबर आदि का विवरण दर्ज किया जाएगा, पूरा विवरण दर्ज होने के बाद किसानों को एक यूनिक नंबर जारी होगा इस नंबर के जरिए ही संबंधित किसान का पूरा विवरण देखा जा सकेगा। रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण होने के बाद किसान कार्ड बनाया जाएगा कार्ड से मिलने वाले नंबर के जरिए ही पीएम किसान सम्मन निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जाएगा।

किसान कार्ड के लिए जिले के हर राजस्व गांव में शिविर का आयोजन किया जा रहा है इसमें कृषि विभागध्पंचायत विभाग एवं राजस्व विभाग के दो–कर्मचारी रहेंगे, शिविर में गांव के संबंधित किसान का नाम, पिता का नाम, स्वामित्व वाले सभी गाटा संख्या, सह खातेदार होने की स्थिति में गाटों में किसान का अंश, आधार नंबर, ई–केवाईसी विवरण आदि दर्ज करेंगे। किसी प्रकार के स्वामित्व स्थानांतरण (वरासत, बैनामा आदि) होने पर किसान रजिस्ट्री में बदलाव किया जा सकेगा, इससे किसान के हर गाटे में हर सत्र में बोई जाने वाली फसल का विवरण भी शामिल किया जाएगा।

किसान कार्ड से फायदे बताते हुए जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने बताया कि अभी तक किसान को किसी भी तरह का ऋण लेने के लिए बार–बार राजस्व रिकार्ड देना पड़ता है, किसान रजिस्ट्री होने पर उसके नंबर को संबंधित एप पर डालकर उसका पूरा विवरण देखा जा सकेगा, इससे किसान कल्याण की योजनाएं बनाने और उसके क्रियान्वयन में आसानी होगी, लाभार्थियों को सत्यापन कृषि उत्पाद के विपणन और अन्य वित्तीय मामलों में सहूलियत होगी। साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि भुगतान, फसली ऋण के लिए किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा, आपदा के दौरान किसानों को क्षति पूर्ति देने के लिए किसानों का चयन करने में आसानी होगी, साथ ही राजस्व विवादों का भी निस्तारण होगा। इस मौके पर उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय, तहसीलदार सदर सौरभ कुमार, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी, उप परियोजना निदेशक आत्माध्जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर डा. रमेश चंद्र यादव, नायब तहसीलदारध्टीएमटी, एडीओ एजी,राजस्व लेखपाल, पंचायत सहायक आदि मौजूद रहे।

विश्व एड्स दिवस पर श्री कृष्ण दत्त एकेडमी डिग्री कालेज में जागरूकता अभियान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री कृष्ण दत्त एकेडमी डिग्री कॉलेज ने विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक व्यापक जागरूकता अभियान का आयोजन किया। यह अभियान 1 दिसंबर से 4 दिसंबर तक चला, जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

वृन्दावन क्षेत्र में जागरूकता रैली

छात्रों द्वारा आयोजित विशाल रैली में वृन्दावन क्षेत्र के लोगों को नारों और बैनरों के जरिए एड्स के प्रति जागरूक किया गया।

एनएसएस द्वारा नुक्कड़ नाटक

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एड्स के बारे में रोचक और प्रभावी ढंग से जानकारी दी। नाटक के माध्यम से एड्स के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों को सरल भाषा में समझाया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता

छात्रों ने पोस्टर प्रतियोगिता में भी भाग लिया और एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने वाले आकर्षक पोस्टर बनाए। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों की रचनात्मकता को बढ़ावा मिला और एड्स के प्रति जागरूकता भी बढ़ी। इस पूरे कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगण और सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कॉलेज के निदेशक, श्री मनीष सिंह ने कहा, ष्हमारे छात्र न केवल शैक्षिक क्षेत्र में बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम छात्रों को समाज के प्रति सजग बनाते हैं। डॉ नवीन कुलश्रेष्ठ, सह निदेशक उच्च शिक्षा ने एड्स जैसी गंभीर बीमारी के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए छात्रों को सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, ष्एड्स एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है और हमें इसके प्रति जागरूक रहना आवश्यक है। सुरक्षित व्यवहार अपनाकर और नियमित स्वास्थ्य जांच कराकर हम इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के समस्त संकायों की परीक्षाएं गुरुवार से आरंभ हो गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी तैयारी पहले ही पूरी कर ली थी, जिससे परीक्षाएं शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संचालित हो सकें। परीक्षाएं स्नातक और परास्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित की जा रही हैं, जिनमें हजारों छात्र–छात्राएं भाग लिया। परीक्षा केंद्रों पर सख्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। नकल रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी सुनिश्चित की गई है। प्रवेश द्वार पर ही विद्यार्थियों की गहन चेकिंग की जा रही थी। इसके अलावा, हर केंद्र पर फ्लाइंग स्क्वाड की आंतरिक टीमें तैनात की गई हैं, जो

परीक्षा के दौरान औचक निरीक्षण कर रही थीं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर हाल में सुचिता का पालन होना चाहिए। कुलपति ने यह भी कहा कि इस बार परीक्षा कार्यक्रम को छात्रों की सहूलियत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिससे उन्हें पर्याप्त समय मिल सके। यह परीक्षा विज्ञान संकाय, मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय, प्रोफेसर रज्जू भैया भौतिकी रिसर्च संस्थान, प्रबंध अध्ययन संकाय, फार्मेसी संस्थान, उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान, दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान मैं शुरू हुई।

इस्कॉन जौनपुर द्वारा विकसित होगा पूर्वांचल का सबसे बड़ा "गोमती इको विलेज – कमल लोचन प्रभु

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। चहारसू चौराहा स्थित आर्ट ऑफ लिविंग सभागार में गुरुवार को अन्तर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) की बैठक संपन्न हुई। इस्कॉन मीरा रोड (मुंबई) एवं वापी गुजरात के अध्यक्ष श्रीमान कमल लोचन प्रभु जी ने भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) की स्थापना 1966 में न्यूयॉर्क शहर में परम पूज्य ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद द्वारा की गई थी, जो इस कलियुग में भक्त के रूप में प्रकट होने वाले भगवान श्री चौतन्य महाप्रभु के दिव्य संदेश को फैलाने के मिशन के साथ पश्चिमी दुनिया में गए थे। इस्कॉन की स्थापना के पीछे का मकसद, भक्ति योग या कृष्ण चेतना को बढ़ावा देना था। उन्होंने बताया कि, शहर से लगभग 24 किलोमीटर दूर, भीरा बाजार के पास, कुंभ गाँव में 40 एकड़ के क्षेत्रफल में "गोमती इको विलेज" विकसित किया जा रहा जो जौनपुर को प्रदेश, देश और विदेश में आध्यात्म और पर्यटन के पटल पर एक प्रमुख पहचान देगा। स्थानीय कौशल विकास, जैविक खेती, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संस्कार को बढ़ाने के उद्देश्य से इस स्थान पर आश्रम, गुरुकुल, गौशाला और मंदिर की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पुनीत कार्य में स्थानीय लोगों को जोड़ने का सर्वोत्तम साधन भागवत ही है। कार्यक्रम संयोजक डा. क्षितिज शर्मा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि आगामी 6 से 12 जनवरी को सिद्धार्थ उपवन में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमे कथा व्यास कमल लोचन प्रभु जी होंगे। प्रत्येक दिन नगर के अलग–अलग मार्गों पर नगर संकीर्तन का संचालन, कथा स्थल पर सत्संग–संकीर्तन, कथा के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। शनिवार 11 जनवरी एवं रविवार 12 जनवरी को नरसिंह होम का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी से सपरिवार सहभागिता का आग्रह किया और इस आयोजन में अपनी सकारात्मक सहभागिता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। इस्कॉन के प्रभु दिव्य निताई दास जी ने बताया कि कुमुद नर्सिंग होम स्थित आर्ट ऑफ लिविंग सभागार में मंगल आरती, मंत्र ध्यान, गुरु पूजा, गीता ज्ञान एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम भी 6 से 12 जनवरी तक प्रत्येक दिन प्रातः 6 बजे से 10 बजे तक किया जाता रहेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डा. अरूण कुमार मिश्रा, पूर्व नपा चेयरमैन दिनेश टण्डन, विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष विमल सिंह, समाजसेविका डा. अंजना सिंह, प्रीति गुप्ता, संजय श्रीवास्तव एडवोकेट, आशीष गुप्ता, अमित गुप्ता, शशांक सिंह रानू, सोमेश्वर केसरवानी, रोटरी क्लब अध्यक्ष श्याम वर्मा, श्याम जी, वरिष्ठ पत्रकार अनिल पांडेय,दीपक श्रीवास्तव, राजकुमार सिंह, रामजी जायसवाल, रविकान्त जायसवाल सहित रमेश सिंह, पवन जायसवाल, अजीत सोनकर, अतुल सिंह, मनीष पाण्डेय, मनीष गुप्ता, विष्णु सहाय एडवोकेट, सीए सुजीत अग्रहरि, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, रवि गुप्ता, सहित लायंस, रोटरी एवं जेसीज क्लब के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा, जौनपुर का औचक निरीक्षण किया गया

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा, जौनपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हाईटेक नर्सरी देखी, पाली हाउस में उगाए गए टमाटर और नेट हाउस में शिमला मिर्च की खेती देखी। एकीकृत फसल प्रणाली के तहत मछली पालन, मुर्गी पालन आदि का निरीक्षण किया और निर्देशित किया कि नई तकनीक के संबंध में किसानों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। उन्नत बीजों को किसानों के बीच उपलब्ध कराते हुए प्रचार प्रसार किया जाए। इस अवसर उप निदेशक कृषि हिमांशु पांडेय, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ0 सुरेश प्रताप सोनकर, डॉ0 राजीव सिंह, डा0 रत्नाकर पांडेय सहित समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अंधविश्वास के प्रति वैज्ञानिक जागरूकता विषय पर निबंध, स्लोगन, माडल, पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशन एवं जिलाधिकारी जौनपुर के मार्गदर्शन में में जिला विज्ञान क्लब जौनपुर द्वारा विज्ञान लोकप्रियकरण एवं संचार कार्यक्रम जनपद के गुलाबी देवी बालिका इंटर कॉलेज कन्हईपुर में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में अंधविश्वास के प्रति वैज्ञानिक जागरूकता विषय पर निबंधा, स्लोगन,माडल, पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मुख्य अतिथि लोक सेवा अयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य प्रोफेसर आर एन त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर टी एन सिंह कृषि वैज्ञानिक एवं प्रोफेसर ओ पी सिंह शिक्षा शास्त्री तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर उदयराज सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रजनन से प्रारंभ हुआ। विद्यालय के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत की प्रस्तुत किया गया। प्रधानाचार्य डॉक्टर उदयराज सिंह व समन्यवक जिला विज्ञान क्लब विपनेश कुमार श्रीवास्तव ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मान किया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉक्टर उदय सिंह प्रवक्ता, डॉ विमल श्रीवास्तव प्रवक्ता एवं श्री राजेश सिंह प्रवक्ता रहे

। इस प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त छात्र–छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं मंचासीन अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया, जिसमें भाषण प्रतियोगिता में लवली सिंह सहकारी इंटर कॉलेज मेहरवा प्रथम, भूमि दुबे गुलाबी देवी बालिका इंटर कॉलेज एवं शिवम मौर्य सरकारी इंटर कॉलेज मेंहरावा संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान, तथा अनामिका यादव राजकीय बालिका इंटर कॉलेज एवं प्रतीक उपाध्याय सरकारी इंटर कॉलेज महरावा संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में वर्षा विश्वकर्मा सरकारी इंटर कॉलेज प्रथम, अनामिका राजकीय बालिका इंटर कॉलेज द्वितीय, अतुल सहकारी इंटर कॉलेज मेहरमा तृतीय स्थान, पोस्टर प्रतियोगिता में इकरा आमीन साजिदा गर्ल्स इंटर कॉलेज प्रथम, अपेक्षा यादव राजकीय बालिका इंटर कॉलेज द्वितीय, श्रेया पांडे गुलाबी देवी बालिका इंटर कॉलेज तृतीय एवं मॉडल प्रतियोगिता में शिवराज गुलाबी देवी इंटर कॉलेज प्रथम, यश यादव जनक कुमारी इंटर कॉलेज द्वितीय विनीत यादव गुलाबी देवी बालिका इंटर कालेज तृतीय स्थान पर रही। सभी विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि व अन्यअतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉक्टर आर एन त्रिपाठी ने कहा कि विज्ञान सदैव परीक्षण एवं सत्य पर आधारित होता है। अंधविश्वास अपौरुष एव अपराध की जननी है। राष्ट्र और व्यक्तित्व का विकास वैज्ञानिक शोध सही संभव है। हमें अपने आसपास सभी लोगों को अंधविश्वास के प्रति जागरूक करने की जरूरत है। जिला विज्ञान केंद्र क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम की उन्होंने भूरि भूरि प्रशंसा की और उम्मीद जताया कि यहां उपस्थित सभी लोग समाज में फैले हुई अंधविश्वास को दूर करने का प्रयास करेंगे ।कार्यक्रम में अनेक विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाये एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक विपनेश कुमार श्रीवास्तव ने किया।

संभल हिंसा के आरोपियों से मुलाकात कराने वाले जेलकर्मियों पर गिरी गाज

लखनऊ,(संवाददाता)। संभल हिंसा के आरोपियों से जेल में सपा नेताओं की मुलाकात पर शासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए जेलर और डिप्टी जेलर को निलंबित कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक डीजी जेल पीवी रामाशास्त्री ने मुरादाबाद जेल के जेलर विक्रम सिंह यादव और डिप्टी जेलर प्रवीण सिंह को निलंबित कर दिया है। वहीं जेल अधीक्षक पीपी सिंह के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने की शासन से सिफारिश की गई है। बता दें कि आरोपियों से सपा विधायक नवाब जान, चौधरी समरपाल सिंह, पूर्व सांसद एसटी हसन के साथ कई सपा नेताओं ने जेल में मुलाकात की थी। पूर्व सांसद,विधायकों के साथ कुछ सपा नेता बगैर पर्ची लगाए मिले थे। कहा जा रहा है कि मुलाकात के दौरान जेल मैनुअल का पालन नहीं किया गया। शासन के निर्देश पर डीजी जेल ने डीआईजी जेल कुंतल किशोर को मामले की जांच सौंपी थी। संभल में जेल नहीं होने की वजह से आरोपियों को मुरादाबाद जेल भेजा गया था।

राहुल गांधी के वकील ने बीमार होने की बात कह मांगा मौका, अब सुनवाई 16 को

लखनऊ,(संवाददाता)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आरोपी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वकील ने बीमार होने के कारण कोर्ट से मौका मांगा। इससे परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र से जिरह नहीं हो पाई। एमपी–एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने मामले में अगली सुनवाई 16 दिसंबर की तिथि नियत कर दी है। राहुल गांधी पर बंगलुरु में तत्कालीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। इसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। इसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है।

कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा को लखनऊ में किया गया हाउस अरेस्ट, घर के बाहर फोर्स तैनात

लखनऊ,(संवाददाता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज संभल जा रहे हैं। उनके साथ ही कांग्रेस के कई अन्य नेता भी संभल जाने की तैयारी में हैं। लखनऊ में कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना को हाउस अरेस्ट किया गया है। उन्हें 9रू30 पर संभल के लिए रवाना होना था। इसके पहले, राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, संगठन महासचिव अनिल यादव सहित आदि नेता मंगलवार शाम दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। यह सभी राहुल गांधी के साथ संभल जाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि पुलिस प्रशासन की ओर से उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो रास्ते में ही धरना–प्रदर्शन शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पदाधिकारी हर स्तर पर संघर्ष के लिए तैयार हैं। बता दें कि सोमवार को भी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पार्टी नेताओं के साथ संभल जाने की तैयारी में थे। किंतु पुलिस–प्रशासन ने उन्हें प्रदेश मुख्यालय में ही हाउस अरेस्ट कर लिया था। जबकि अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको–गार्डेन भेजा गया था।

राम मंदिर के शिखर को ऊपर से निहार सकेंगे श्रद्धालु, अयोध्या में शुरू हुई हॉट एयर बैलून सेवा

लखनऊ,(संवाददाता)। राम नगरी अयोध्या में हर रोज आने वाले हजारों पर्यटकों को एक खास सौगात दी गई है। बुधवार से अयोध्या में हॉट एयर बैलून सर्विस का प्रारंभ हो गया है। अब पर्यटक आठ मिनट तक हवाई यात्रा का आनंद ले सकेंगे। हॉट एयर बैलून का संचालन राम कथा पार्क हेलीपैड से होगा। इस सेवा को पुष्पक एडवेंचर और अयोध्या विकास प्राधि

करण ने शुरू किया है। सेवा का आनंद लेने के लिए प्रति व्यक्ति 999 रुपये का शुल्क देना पड़ेगा। इसके माध्यम से रामनगरी आने वाले श्रद्धालु राम मंदिर के शिखर के साथ हनुमानगढी और कनक भवन जैसे मंदिरों को ऊपर से दीदार कर सकेंगे। हालांकि, तेज हवाओं के कारण हॉट एयर बैलून आज नहीं उड़ सका।

कैंपस ड्राइव में 200 पदों पर होंगी भर्तियां

लखनऊ,(संवाददाता)। 10वीं, 12वीं और आईटीआई की योग्यता रखने वाले युवाओं को मारुति और टाटा मोटर्स कंपनी में नौकरी करने का अवसर मिलेगा। अलीगंज स्थित आईटीआई परिसर में छह और नौ दिसंबर को होने वाली कैंपस ड्राइव में दोनों कंपनियों में करीब 200 पदों पर भर्तियां होंगी। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय की प्लेसमेंट अधिकारी प्रज्ञा त्रिपाठी ने बताया कि छह दिसंबर को मारुति और नौ दिसंबर को टाटा मोटर्स की ओर से कैंपस ड्राइव का आयोजन होगा। इसमें 18 से 26 वर्ष तक की उम्र के युवा शामिल हो सकेंगे। परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर चयन होगा। इसमें आईटीआई पास युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। फ्रेशर, मैकेनिक व अन्य पदों पर चयन के बाद 13 से 28 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन व अन्य सुविधाएं मिलेंगी। कैंपस ड्राइव के संबंध में जल्द अधिसूचना जारी की जाएगी।

नेशनल पीजी कॉलेज में सम–सेमेस्टर कक्षाएं 26 से

लखनऊ,(संवाददाता)। नेशनल पीजी कॉलेज में सम सेमेस्टर की कक्षाएं 26 दिसंबर से शुरू होंगी। महाविद्यालय प्रशासन ने मंगलवार को एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया। 25 दिसंबर को विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं का समापन हो जाएगा। प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कॉलेज में 28 दिसंबर को पुरातन छात्रों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। एक से 10 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश रहेगा। विषम सेमेस्टर की स्नातक और परास्नातक की परीक्षाओं का परिणाम 10 जनवरी तक घोषित कर दिया जाएगा। 18 जनवरी को विद्यार्थियों को इंडस्ट्रियल भ्रमण पर ले जाया जाएगा। तीन से आठ मार्च के बीच चंद्रभानु गुप्ता टूर्नामेंट एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

सार्थक यादव ने बेलीगारद शाखा का रोका विजय रथ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाल निकुंज स्कूल एंड कॉलेजेस की ओर से खेली जा रही अंतर्शाखीय क्रिकेट टूर्नामेंट के अंडर 16 आयु वर्ग में बालक वर्ग का फाइनल मैच शाखा बाल निकुंज विद्यालय बेलीगारद अलीगंज एवं बाल निकुंज विद्यालय डे बोर्डिंग मोहिबुल्लापुर के मध्य, मोहिबुल्लापुर स्थित प्लेग्राउंड पर खेला गया। जिसमें टास जीतकर डे बोर्डिंग शाखा की टीम ने वैटिंग का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डे बोर्डिंग शाखा की टीम के दोनो ओपनर जबरदस्त चौका लगाकर अच्छी शुरुआत की और 15 रनों का औसत रन रेट देकर आरम्भ के 5 ओवर में 75 रनों की शानदार साझेदारी पेश की। इस प्रकार निर्धारित 10 ओवरों के खेल में 6 विकेट के नुकसान पर 114 रनों का बड़ा लक्ष्य बनाने में सफल रहे। जबाब में उत्तरी बेलीगारद शाखा की टीम के दोनो ओपनर सम्मल कर खेलते दिखे किंतु सीधे स्टम्प पर पड रहे गेंद का सामना करने में पसीने छूट रहे थे और रन रेट कबर कर पाना मुश्किल हो रहा था। इस प्रकार पूरी टीम सातवें ओवर में 79 रनों पर सिमट गई, और हैट्रिक लगा चुकी बेलीगारद शाखा के हाथ से आज का मैच फिसल गया। मैंन ऑफ द मैच का खिताब डे बोर्डिंग शाखा के बल्लेवाज सार्थक यादव को दिया गया जिन्होंने 2 छक्के और 4 चौके की मदद से 43 रन बनाये और 3 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट भी चटकाये।

प्रधानाचार्या रश्मि शुक्ला ने विजेता टीम के सभी खिलाड़ियों को शील्ड व प्रशस्ति पत्र तथा रनर को रजत पदक व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

जेड. आर. यू. सी.सी. मेम्बर एवं भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने दिल्ली मे रेलवे बोर्ड अध्यक्ष सतीश कुमार को दिया अठारह सूत्रीय मांग पत्र

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे बोर्ड अध्यक्ष से मिलकर देवीपाटन मंडल वासियों की सुविधा हेतु जनहित में कई प्रमुख सवारी एवं मेला एक्सप्रेस रेल गाड़ियों के संचालन शुरु किए जाने का सुझाव दिया है। जेड. आर. यू. सी.सी. मेम्बर एवं भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने दिल्ली मे रेलवे बोर्ड अध्यक्ष सतीश कुमार को दिए गये अठारह सूत्रीय मांग पत्र में करोना काल से बंद गोण्डा से लखनऊ तक पैसेंजर सवारी गाड़ी का संचालन तत्काल शुरु कराए जाने, गोण्डा अयोध्या धाम से मनकापुर एवं मनकापुर से अयोध्या धाम तथा इलाहाबाद से मनकापुर एवं मनकापुर से इलाहाबाद तक चलने वाली सरयू साकेत एक्सप्रेस का विस्तार गोंडा तक किए जाने,अधिकत्राओं ,व्यापारियों छात्रों तथा युवाओं तथा कर्मचारियों की सुविधा हेतु गोंडा कचहरी रेलवे स्टेशन पर बाघ एक्सप्रेस एवं आम्रपाली एक्सप्रेस का ठहराव किए जाने, गोंडा जंक्शन पर दिव्यांग एवं वृद्ध जनों की सुविधा बैटरी रिक्शा उपलब्ध कराए जाने ,गोंडा कचहरी रेलवे स्टेशन का नामकरण शहीद राजेंद्र नाथ लाहड़ी के नाम किए जाने, रेलवे कर्मचारियों हेतु निर्मित 1700 आवासीय स्थल का पुनर्निर्माण कराए जाने ,गोंडा करनैलगंज ,इटियाथोक, मोतीगंज ,मसकनवा, बभनान साहित, कई स्थानों पर रेल आवासों एवं रेल की जमीनों पर अवैध। कब्जेदारों को हटाकर कार्रवाई किए जाने, गोंडा से नई दिल्ली से गोंडा तक सुपरफास्ट ट्रेन का संचालन किए जाने ,15069, 15070 इंटरसिटी एक्सप्रेस का इटियाथोक जरवल रोड एवं बुढ़वल रेलवे स्टेशन पर पिए जाने 19716, 19715 गोमती नगर से जयपुर एवं जयपुर से गोमती नगर तक संचालित होने वाली मेल एक्सप्रेस का विस्तार गोंडा जंक्शन तक किए जाने, गोंडा जंक्शन रेलवे स्टेशन की ओर आने वाली जर्जर सड़कों का निर्माण कराए जाने ,अमृत भारत में शामिल गोंडा जंक्शन रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किए जाने,गोंडा जंक्शन रेलवे स्टेशन के पूर्वी छोर पर ओवर ब्रिज का निर्माण कराए

जाने, पत्रकारों एवं वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे द्वारा दी जाने वाली रियायतें बंद कर दी गई है, उसको बहाल किए जाने समेत तमाम बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए निस्तारण का सुझाव रेल यात्रियों के हित में रेलवे बोर्ड के सीईओ को निवेदन के साथ दिया गया। जिस पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा कार्रवाई हेतु संबंधित विभाग अध्यक्ष को अग्रसारित कर दिया गया इसके लिए भाजपा के उमेश श्रीवास्तव, महेंद्र कुमार, दानिश अली राजेश श्रीवास्तव, देवेंद्र आदि ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया है।

कोर्ट मैरिज से एक दिन पहले प्रेमी-प्रेमिका ने खाया जहर, युवक की मौत, युवती गंभीर

लखनऊ,(संवाददाता)। सुल्तानपुर के दोस्तपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भीलम पुर निवासी भारतलाल निषाद (20) एक प्राइवेट कालेज में गाड़ी चलाता था उसी स्कूल में पढ़ने वाली बनपुरवा निवासी शिवांगी (20) से तीन साल पहले संबध हो गया। इसी बीच शिवांगी निषाद शादी करने की जिद करने लगी। प्रेमी ने अपने भाई की शादी हो जाने के बाद शादी करने की बात कही। मंगलवार को शिवांगी के भाई ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने दोनों पक्ष को राजी कर बुधवार को कोर्ट मैरिज कराने की बात कही थी। मंगलवार की रात दोनों घर से निकलकर महदाताल पर पहुंचे और जहर खा लिया। परिजन रात भर दोनों की खोजबीन करते रहे। बुधवार की सुबह खेत जोतने गए ट्रैक्टर चालक ने दोनों को तड़पते देखा तो परिजनों को सूचना दी। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दोस्तपुर लाया गया जहां भारतलाल निषाद को मृत घोषित कर दिया गया व शिवांगी निषाद को जिला अस्पताल अंबेडकरनगर रेफर कर दिया गया। परिजन शिवांगी का इलाज प्राइवेट अस्पताल में कर रहे हैं।

दुर्घटना से पीड़ित यात्रियों का जीवन बचाना सबसे बड़ा मानव धर्म - ऋतु सिंह

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार को डीटीडीआई अयोध्या में आरटीओ प्रशासन अयोध्या ऋतु सिंह के नेतृत्व में परिवहन विभाग के अधिकारियों एआरटीओ प्रेम सिंह ने व्यावसायिक वाहन के चालकों, स्कूल वाहन चालकों एवं रोडवेज के चालकों आदि का वृहद प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया।जिसके अन्तर्गत ड्राइविंग ट्रैक पर सभी चालकों से एक–एक कर वाहन चलवाकर प्रैक्टिकल हेमों चालन कराया गया। इसमें एच आकार की पार्किंग, येडियंट (चढ़ाई व ढलान), पैरलल पार्किंग, 8 आकार में ड्राइविंग आदि ट्रैक प संशर कि सहायता से अधिकारियों की मौजूदगी में कराया गया एवं चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग का पाठ पढ़ाया गया।इस मौके पर आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह ने कहा कि वाहन चलाने से पहले टायर में हवा, वाईपर, ब्रेक, कलच, बैक लाइट, हेड लाइट, फाग लाइट, वाहन के प्रपत्र रुकी स्थिति में ही जाँचने के उपरान्त ही वाहन को सड़क पर लाना चाहिए। विद्यार्थियों को सड़क पर यहाँ–वहाँ चढ़ाना–उतारना नहीं चाहिए। दुर्घटना की स्थिति में घायलों को प्राथमिक उपचार दें, आस–पास भीड न जमने दे एवं इमरजेन्सी

सहायता को लिए काल करें। घायल की सहायता करने पर सरकार द्वारा गुड समैरिटन (नेक व्यक्ति) को पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाती है।वही एआरटीओ प्रेम सिंह द्वारा वाहन की तकनीकि खामियों को पहचानने व वाहन की फिटनेस हेतु आवश्यक प्रक्रिया के बारे में बताया गया। टेस्ट के दौरान चालकों की कमियों को दूर करने के विस्तार से उपाय बताए गये और बताया गया कि तनाव में गाड़ी न चलाएं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में रोडवेज चालक, ट्रक चालक, सम्बीम स्कूल अयोध्या, उदया पब्लिक स्कूल अयोध्या, टैम्पो चालक आदि उपस्थित रहे, जिसमें आरटीओ ने यातायात संकेतों आदि के संबंध में प्रश्न भी पूछे व शंकाओं का समाधान किया।

पॉम ऑयल पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने से 75 फीसदी गिरी बिक्री

लखनऊ,(संवाददाता)। सरकार ने पॉम ऑयल पर 35 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाई तो शहर के खाद्य तेल से जुड़े कारोबारियों की बिक्री आधे से भी कम हो गई। कारोबारियों का कहना है कि नेपाली पॉम ऑयल की बढ़ी खपत से कारोबार टूट गया है। हर रोज 7–8 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। डेढ़ साल तक राहत देने के बाद सरकार ने फिर से इंपोर्ट ड्यूटी खाद्य तेल के कारोबार से जुड़े सिद्धार्थ गुप्ता बताते हैं कि नेपाली पॉम ऑयल की वजह से लखनऊ समेत पूरे प्रदेश का व्यापार चौपट हो रहा है। पॉम ऑयल के मुख्य उत्पादक देश इंडोनेशिया व मलेशिया हैं। इन देशों से जिन बंदरगाहों पर सोया या पॉम ऑयल उतरता है, वहां से कोई भी देश 100 रुपये प्रति लीटर में इन्हें खरीदता है। भारत व नेपाल भी इन बंदरगाहों से खाद्य तेल का उठान करता है। की वजह से पॉम व सोया ऑयल मंगाने पर हम लोगों को 135 रुपये का पड़ता है। नेपाल के कारोबारियों को यह 100 रुपये प्रति लीटर ही पड़ रहा है। नेपाल से भारत सामान आने में कोई इंपोर्ट ड्यूटी नहीं है, इसलिए नेपाली कारोबारी भारत में तेल खपत कर मुनाफा कमा रहे हैं। जो खाद्य तेल नेपाल को 103 रुपये में पड़ रहा है उसे वह भारत में 135 रुपये में बेच रहे हैं। खाद्य तेल के कारोबार से जुड़े व्यापारी बताते हैं कि दो साल पहले भी सरकार ने पॉम व सोया तेल पर 35 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाई थी। कारोबारियों ने विरोध किया तो पहले 20 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी घटाई गई। बाद में फिर शेष 15 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी भी घटा दी गई। करीब डेढ़ साल तक इंपोर्ट ड्यूटी माफ रहने से कारोबार अच्छा चल रहा था। लेकिन, फिर से 35 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी लगाने से हमारे व्यापार की कमर टूट गई है। लखनऊ व आसपास के ट्रेडर्स हर रोज करीब 60,000 टिन का व्यवसाय करते हैं जो कि अनुमानित 10 करोड़ रुपये रोजाना का है। नेपाल से भारत में हर रोज करीब 36 करोड़ रुपये का दो लाख टिन खाद्य तेल आ रहा है। इसमें सूरजमुखी, पॉम व सोया तेल शामिल हैं। जोकि नेपाल से मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली में सप्लाई किया जा रहा है। इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने से 130–40 रुपये प्रति लीटर वाला रिफाइंड 150–60 रुपया तो 120 रुपया प्रति लीटरवाला सोयाबीन तेल 150 रुपये में हो गया है। न्यू हैदराबाद के खुदरा किराना कारोबारी संतोष बताते हैं कि खाद्य तेलों की कमी भी है। हालांकि, सरसों के तेल की कीमत 160 रुपये तक बढ़कर अब घटी है। 150 रुपये में सरसों का तेल है। पांडेयगंज के खाद्य तेलों के थोक व्यापारी राजेंद्र गर्ग का कहना है कि 16 सितंबर से सोयाबीन, पॉमोलिन, सनफ्लॉवर पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ी है। इससे पहले 2022 में 200 रुपये प्रति लीटर तक बिकने के बाद सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी घटाते–घटाते जीरो कर दी थी। इससे बाजार सस्ता हुआ, लेकिन अब फिर से महंगाई बढ़ गई है।

युवक को सात घंटे डिजिटल अरेस्ट रखकर सवा लाख वसूले

लखनऊ,(संवाददाता)। जालसाजों ने मुंबई ब्रांच का अधिकारी बनकर निजी कंपनी के अफसर को सात घंटे डिजिटल अरेस्ट रखा और सवा लाख रुपये वसूल लिए। पीड़ित ने महानगर थाने में तहरीर दी है। महानगर निवासी एक युवक हजरतगंज स्थित कंपनी में एडमिन ऑफिसर हैं। उन्होंने बताया कि 28 नवंबर को वह दफ्तर में थे। तभी एक कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को ट्राई कंपनी का कर्मचारी बताया। कहा कि तुम्हारे मोबाइल नंबर का इस्तेमाल जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुआ है। इसलिए आप से पूछताछ होगी। कुछ देर बाद संदीप के पास से दूसरे नंबर से कॉल आई। इस बार फोनकर्ता ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। युवक को उसके आधार कार्ड का नंबर बताते हुए अश्लील फिल्में देखने का आरोप लगाया। इस तरह से झांसे में लेते हुए डिजिटल अरेस्ट रखकर सवा लाख रुपये 12 खातों में ट्रांसफर करा लिए।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, चार लोगों पर हत्या का आरोप

लखनऊ,(संवाददाता)। बीबीडी के रानीखेड़ा गांव के पास मंगलवार को संदिग्ध हालात में युवक का शव पड़ा मिला। मृतक के पिता ने बेटे के तीन साथियों समेत चार पर हत्या का आरोप लगाते हुए गोसाईंगंज थाने में तहरीर दी है। उन्नाव के मौरवां निवासी शिव प्रताप सिंह के मुताबिक सोमवार को बेटा अनीस सिंह उर्फ गोलू (24) पेशी पर लखनऊ आया था। पेशी के बाद वह गोसाईंगंज के सलौली गांव अपने मामा के घर चला गया था। शाम को अनीस की मां रेखा सिंह से फोन पर बात हुई थी। अनीस ने मामा के गांव के ही तीन साथियों के साथ घूमने जाने और मंगलवार को लौटने की बात कही थी। आरोप है कि मंगलवार सुबह दो साथी बाइक से बेटे को मृत अवस्था में घर के बाहर छोड़कर भाग गए थे। अनीस की मामी किरन सिंह व साधना सिंह ने दोनों को भागते हुए देखा था। पिता के मुताबिक अनीस की बाइक आरोपी साथी के घर पर खड़ी है, जबकि हेलमेट गांव के बाहर सड़क के किनारे मिला। पिता ने चार लोगों पर बेटे की हत्या का आरोप लगाते हुए गोसाईंगंज थाने में शिकायत की है।इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक सीसीटीवी कैमरे खंगालने पर पता चला कि रानीखेड़ा गांव में अनीस का शव पड़ा था। उसके पास कोई मौजूद नहीं था। लोगों की सूचना पर अनीस के दो साथी उसे घर छोड़ गए थे।

मौसम में बदलाव से उपज में देरी, गोभी और हरी मटर रंग दिखा रही

लखनऊ,(संवाददाता)। सब्जियों के दामों में वृद्धि हुई है। सब्जी दुकानदार जहां इसके पीछे सहालग को वजह बता रहे हैं, वहीं कृषि विशेषज्ञ इसके पीछे मौसम में बदलाव को बड़ी वजह मान रहे हैं। बाजार में इस समय सब्जियों में सबसे महंगी हरी मटर और फूल गोभी है। शहर के नरही व चौक के सब्जी बाजार में हरी मटर का रेट जहां 120 रुपये में है, तो गोभी 40 रुपये प्रति फूल बिक रहा है। सब्जी व्यापारी लल्लन यादव बताते हैं कि हरी मटर की तो काफी शार्टेज है, गोभी भी महंगी बिक रही है। इसके अलावा परवल और खीरे के दाम 60 से 80 रुपये हो गया है। बाकी अन्य सब्जियों के दाम मंगलवार को पहले के मुकाबले कुछ कम रहे। टमाटर, गाजर, बैंगन, प्याज व शिमला मिर्च के दाम स्थिर हैं। सहालग की वजह से सब्जियों की मांग ज्यादा है और आपूर्ति कम। कृषि विशेषज्ञ महंगाई के पीछे मौसम में बदलाव होने की वजह से कम उपज को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह का कहना है कि अक्तूबर तक बारिश हुई, जिसके कारण सब्जियों की बोआई नहीं हो पाई। खरीफ के अंतिम समय में जिन सब्जियों की बोआई हो जाती है ,उनकी आवक बाजार में दिसंबर में होने लगती है। इस वर्ष कन्नौज फर्रुखाबाद, हरदोई सहित कई जिलों में सब्जियों की बोआई लेट हुई। इसलिए बाजार में गोभी, बंधा, शिमला मिर्च, टमाटर, आलू की आवक कम हो गई है। हरी पत्तेदार सब्जियों की वृद्धि भी प्रभावित हुई है। बाजार में सब्जियां नहीं पहुंच पा रही हैं। रबी मौसम की सब्जियों के लिए 20 से 25 डिग्री सेल्सियस तापक्रम की आवश्यकता होती है। लेकिन, दिन रात के तापमान में काफी परिवर्तन उपज में देरी हो रही है। सब्जी बीज व्यापारी हेमंत कुमार सिंह ने बताया कि इस समय क्षेत्रीय किसानों के खेतों में शिमला मिर्च, बींस, टमाटर, बैंगन, हरा मिर्च, गोभी, बंधा, हरी धनिया, पालक एवं आलू लगभग तैयार हो रही हैं और 20 दिसंबर के बाद बाजार में सब्जियों के दाम घट सकते हैं। तक तक दाम स्थिर ही रहेंगे।

नर्सिंग छात्रा से दुष्कर्म, आरोपी रिश्तेदार गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। कैब चालक ने नर्सिंग छात्रा को कमरे में बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। आरोपी कोर्ट मैरिज का दबाव बना रहा था। मामले की जानकारी पर पीड़िता की बड़ी बहन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। चिनहट पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चिनहट निवासी महिला के मुताबिक उनकी 24 वर्षीय बहन नर्सिंग तृतीय वर्ष की छात्रा है। उनका रिश्तेदार अयोध्या निवासी अमन कुमार वर्मा उर्फ डीकू लखनऊ में कैब चलाता है। कुछ दिन पहले वह उनकी बहन को घुमाने ले गया था। इसके बाद बहाने से अपने घर ले गया, वहां बहन को बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। विरोध पर हत्या करने की धमकी देते हुए उसे घर भेज दिया। इसके बाद आरोपी ब्लैकमेल कर उनकी बहन का शोषण करने लगा और कोर्ट मैरिज का दबाव बनाया। आरोपी पहले से विवाहित है। उसके तीन बच्चे भी हैं। आजिज आकर पीड़िता ने अपनी बड़ी बहन को आपबीती सुनाई। एसओ चिनहट भरत पाठक के मुताबिक आरोपी अमन को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पीड़िता का मेडिकल कराया जा रहा है।

इंस्टा पर दोस्ती, फिर दुष्कर्म, युवती की शादी भी तुड़वाई

लखनऊ,(संवाददाता)। इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर युवक ने युवती से नजदीकियां बढ़ाई। फिर वीडियो कॉल पर बात करने लगा। धोखे से बातचीत का वीडियो बना लिया और ब्लैकमेल कर दुष्कर्म किया। युवती की शादी तय हुई तो आरोपी ने वीडियो लड़के पक्ष को भेज दिया। इससे पीड़िता की शादी टूट गई। पीड़िता ने कृष्णानगर थाने में आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। बाराबंकी निवासी युवती के मुताबिक वह एक ज्वैलरी शॉप पर काम करती है। नौ दिसंबर 2021 को इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी दोस्ती संत कबीर नगर के ग्राम पोखर मिटवा पोस्ट खजुरी थाना धर्म सिंहवा निवासी मो. तारिक से हुई थी। दोनों वीडियो कॉल पर करते थे। तब तारिक सऊदी अरब में रहता था। आरोपी ने युवती से बातचीत का वीडियो बना लिया। भारत आकर जबरदस्ती मिलने का दबाव बनाया। इंकार पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। तारिक ने पीड़िता का फोन भी हैक कर लिया था, जिससे उसके सारे नंबर आरोपी के पास चले गए थे। आरोपी ने युवती को सबसे पहले फैमलिया होटल में बुलाया और जबरन संबंध बनाए। इसके बाद कई बार चारबाग के होटल में बुलाकर उसका शारीरिक शोषण किया। इंकार करने पर वह ६ मकी देता था। आरोपी ने अंतिम बार 30 सितंबर को युवती के साथ दुष्कर्म किया था। इस बीच उसकी शादी तय हो गई। इसकी जानकारी मिलने पर तारिक ने लड़का पक्ष को पीड़िता के वीडियो भेज दिए। इससे उसकी शादी टूट गई। परेशान होकर पीड़िता ने अपनी मां को पूरी बात बताई। बात करने पर आरोपी ने पीड़िता की मां से गाली गलौज की। इसके बाद पीड़िता कृष्णानगर थाने पहुंची। आरोपी अभी भी मिलने के लिए दबाव बना रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी का स्थाई पता नहीं मिल सका है। मामले की विवेचना की जा रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।